



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 321 नई विल्ली, शनिवार, अगस्त 12, 1989 (श्रावण 21, 1911)
No. 32] NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 12, 1989 (SRAVANA 21, 1911)

इस भाग में मिलन पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 4

[PART III—SECTION 4]

सांखिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें कि आवेश, विज्ञापन और सूचनाएं सम्मिलित हैं :

[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

भारतीय रिजर्व बैंक

केन्द्रीय कार्यालय

प्रहरी बैंक विभाग

"दि आर्कोड" विश्व व्यापार केन्द्र

बैंकरी-400005, विनांक 18 अगस्त 1989

मू०बी०बी०बी०बार-98/ए-18/89-90—बैंककारी विनियमन अधिनियम 1949 की धारा 56 के खंड (यक) के साथ पठित धारा 36 ए की उपधारा (2) के अनुसरण में भारतीय रिजर्व बैंक एतद्वारा यह अधिसूचित करता है कि निम्नलिखित वेतनमोगी समिति उपर्युक्त अधिनियम की परिभाषा के अन्तर्गत सहकारी बैंक नहीं रह गया है।

समिति का नाम राज्य
म्युनिसिपल कार्योरेशन आफ विली एम्प्लाइज को- विली
आपरेटिव प्रिप्ट एण्ड ट्रेडिंग सोसायटी लिमिटेड

1-199 GI/89

समिति का नाम

राज्य

रुम नं० 3, कच्चा बाग, टाउन हाल चांदनी
चौक, विली-6।

पी० बी० माषुर,
संयुक्त मुद्र्य अधिकारी

लोक छृण कार्यालय

नई विली, विनांक 12 अगस्त 1989

भारतीय ग्रामीणीक वित्त निगम की जो प्रतिभूतियां आवि जो गई है और जिसके सम्बन्ध में यह विवाद करने के लिए प्रत्यक्षतः आवार है कि वे खो गई हैं और उनके अवेयकों का दावा व्यायपूर्ण है, उनकी निम्नलिखित 30 जून 1989 को समाप्त हुई उमाही की सूची का विज्ञापन, इण्डस्ट्रियल फार्मेस कार्पोरेशन आफ इंडिया (इशू) एंड मैनेजमेंट आफ एण्डस रेंगलोपान 1949 के विनियम 10 के अनुसार इसके द्वारा किया

जाता है। नीचे जिम दाखेदारों के नाम दिये गए हैं उनको लोड़। अन्य ऐसे सभी अस्तित्वों, जिनका इन प्रतिभूतियों पर कौई दावा ही, को चाहिये कि ये प्रबन्धक, भारतीय रिजर्व बैंक, लोक अरुण कार्यालय, नई दिल्ली को तुरन्त सूचित करें—

यह सूची दो भागों में विभागित ही गढ़े हैं। भाग "A" में अन्य भूतियों दी सूची है जिनका विभापन अभी पहर्ती बार किया जा रहा है और भाग "B" उन प्रतिभूतियों की सूची है जिनका विभापन पहले किया जा चुका है।

सूची "क"

प्रतिभूति की सं०	मूल्य रा०	किसके नाम	किस विनांक से	अनुलिपि जारी करने और/यह भुगतान	जारी किए गए आदेश की
रु०	रु०	जारी की गई	व्याप्र देय है	मूल्य की अवायवी के लिए दावा करने वाले/(वालों) (का) के नाम	संख्या और दिनांक

—कुछ नहीं—

सूची "ख"

प्रतिभूति की संख्या	मूल्य रा०	किसके नाम	किस विनांक से	अनुलिपि जारी करने और/यह भुगतान	जारी किए गए आदेशों की सं०	प्रकाशन भी वह तिथि
रु०	रु०	जारी की गई	व्याप्र देय है	मूल्य की अवायवी के लिए दावा करने वाले (वालों) (का) के नाम	और दिनांक	जब उस प्रतिभूति का पहले उल्लेख किया गया

6. २५ प्रतिशत इण्डस्ट्रियल फाइनेंस कारपोरेशन आफ इण्डिया वर्णन १९८८ (मेकेंड मीरीज)

बीएल ०००२४१	रु० 10,000/-	विनोइ कुमार	14-६-१९८०	ट्रस्टीज सुमीटोंमें इण्डियन स्टाफ प्रोविडेंट फँड	आई० एफ० सी०/१०८० पून०-२	८-८-१९८७
					दिनांक ३-२-८७	

मी० एम० एल० सहगल,
मंत्रकृत प्रबंधक

बैंगलौर, विनांक २८ जुलाई १९८९

३०-६-८९ को समाप्त छमाही के द्वारा खोए गए आवि भारतीय औद्योगिक वित्त निगम बांड की सूची का प्रकाशन

भाग क

—कुछ नहीं—

भाग-ख

६ प्रतिशत भारतीय औद्योगिक वित्त निगम बांड १९८५ (II श्रृंखला)

प्रतिभूति की संख्या	मूल्य रा० में	जिसके नाम जारी	किस तारीख से	अनुलिपि जारी करने और/या विभिन्न भूल्य के भुगतान के लिए और तारीख का/के नाम	जारी किए गए अनुरेशों की संख्या और तारीख	प्रकाशन सूची की तिथि जिसमें प्रतिभूति का प्रथम प्रकाशन हुआ।
---------------------	---------------	----------------	--------------	---	---	---

बीएल० ००००९२	रु० ५००००/-	दि कर्नाटक इण्डस्ट्रियल को आपरेटिव बैंक लि०	२९-१०-८४	दि कर्नाटक इण्डस्ट्रियल सी० प्र०० ६७८ को आपरेटिव बैंक लि० दि० २७-९-८८		वि० १२-११-८८
--------------	-------------	--	----------	--	--	--------------

बीएल० ००००९३	रु० ५००००/-	—	—	—	—	
--------------	-------------	---	---	---	---	--

कर्मचारी राज्य बीमा निगम

नई दिल्ली, दिनांक 1 अगस्त 1989

सं० एन-15/13/13/3/84—योजना एवं विकास (2) कर्मचारी राज्य बीमा (भारतीय विनियम 1950) के विनियम 95-क के साथ पठित कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 (1948 का 34) की धारा 46 (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में महानिदेशक ने 16-7-1989 ऐसी तारीख के रूप में नियम की है जिसमें उन विनियम 95-क तथा उन्हर प्रदत्त कर्मचारी राज्य बीमा नियम 1951 में निर्दिष्ट विकितस हिताभ उत्तर प्रदेश राज्य के निम्नलिखित धोनों में बीमाकित व्यक्तियों के परिवारों पर लाग किये जायें।

अप्रिंत्

“शाहजहांपुर के अन्तर्गत नगरपालिका सीमा/छावनी सीमा एवं राजस्व ग्राम रसीरा, चंदेरा, धुरारिया, मिशीपुर, अहमदपुर, न्याजपुर ग्राम जिसमें श्रीद्वारिक धोन गोत्रा है के विशामान धोन अर्थात् बलिया, हर्यांरा, युर्जा झटकविद्या, जम्हीम, करीदा, भर्जा, लालपुर, जमौर, अकरा, रसूलपुर अकरी रसूलपुर, अटमलिया सदर नहरीन शाहजहांपुर, परगाना व जिला शाहजहांपुर”

एम० धोन,
(निदेशक, बीमारा एवं विकास)

क्षेत्रीय कार्यालय उड़ीगा

भूवंश्वर-751007, विनांक 26 अप्रैल 1989

विषय:—हीराकुद धोन, हीराकुद की स्थानीय समिति का पुनर्गठन।

मे. 44 ई 34/12/13/32—ममन्वय—एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि ए. रा० बी० (साधारण) विनियम, 1950 के विनियम 10-ए के अन्तर्गत उड़ीगा राज्य में हीराकुद के क्षेत्राधिकार में आने वाले धोनों के लिए स्थानीय समिति का पुनर्गठन किया गया है जिसमें निम्नलिखित व्यक्ति अध्यक्ष तथा सदस्य होंगे:—

1. विनियम 10-ए (1) (ए) के अन्तर्गत :

उप अम आयुक्त, सम्बलपुर

अध्यक्ष

2. विनियम 10-ए (1) (बी) के अन्तर्गत :

जिला अम अधिकारी, सम्बलपुर

सदस्य

3. विनियम 10-ए (1) (सी) के अन्तर्गत :

प्रभानी बीमा चिकित्सा अधिकारी,

सदस्य

कर्मचारी राज्य बीमा अधिकारी,

हीराकुद।

4. विनियम 10-ए (1) (डी) के अन्तर्गत :

नियोजकों के प्रतिनिधि

1. श्री अशोक कुमार पात्र, कार्मिक अधिकारी अन्यमिनियम इण्डस्ट्रीज, हीराकुद।

सदस्य

2. श्री कृष्ण नारायण, प्रबन्धक (कार्मिक) हीराकुद इण्डस्ट्रीज बक्स, हीराकुद।

सदस्य

3. श्री रविनारायण माहापात्र, चिकित्सा अधिकारी, इण्डियन अल्यूमिनियम कम्पनी, हीराकुद।

सदस्य

5. विनियम 10-ए (1) (ई) के अन्तर्गत :

कर्मचारियों के प्रतिनिधि

1. श्री लक्ष्मी कृत याग, टनर हीराकुद इण्डस्ट्रीज बक्स, हीराकुद

सदस्य

2. श्री कृष्ण चन्द्र विस्वाल, लैब पटेल्ट, इण्डियन अल्यूमिनियम कम्पनी, हीराकुद।

सदस्य

3. श्री कमल कुमार रथ, सुरक्षा गाड़ी, अल्यूमिनियम इण्डस्ट्रीज, हीराकुद

सदस्य

6. विनियम 10-ए (1) (ए) के अन्तर्गत :

प्रबन्धक स्थानीय कार्यालय कर्मचारी

सदस्य

राज्य बीमा निगम, हीराकुद

तथा परेन सचिव

यह पुनर्गठन अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से लाग होगा।

दिनांक 24 जून 1989

विषय:—स्थानीय भविति का पुनर्गठन

मे. 44-ई 34-12-6-82—ममन्वय—एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि क० रा० बी० (साधारण) विनियम, 1950 के विनियम 10-ए के अन्तर्गत स्थापित स्थानीय समिति, चौहार का इस अधिसूचना के जारी होने की तारीख से पुनर्गठन किया गया है जिसमें निम्नलिखित सदस्य होंगे।

1. विनियम 10-ए (1) (ए) के अन्तर्गत :

उप अम आयुक्त, कटक

अध्यक्ष

2. विनियम 10-ए (1) (बी) के अन्तर्गत :

जिला अम अधिकारी, कटक

सदस्य

3. विनियम 10-ए (1) (सी) के अन्तर्गत :

अधीक्षक, क० रा० बी० अम्बनाल, चौहार

सदस्य

4. विनियम 10-ए (1) (डी) के अन्तर्गत :

नियोजकों के प्रतिनिधि

1. श्री आर० क० पण्डा,

सदस्य

मैसर्स और० टी० एम० लिमिटेड, चौहार के कार्मिक विभाग के प०० ए० ल०० डब्ल्य० और०

2. श्री एस० महापात्र, बरिण्ट कार्मिक विभाग, टी० बी०

सदस्य

एस० नं० ३, मिल, चौहार,

5. विनियम 10-ए (1) (ई) के अन्तर्गत :

कर्मचारियों के प्रतिनिधि

1. श्री कैलाश चन्द्र नायक (जटिया शमशीरी कांग्रेस, चौहार की ओर से उड़ीसा वस्त्र मिल, चौहार के एक कर्मचारी)

सदस्य

2. श्री वालभद्र नायक (टी० बी० एम नं० ३, दोलनामाद, कटक के मज़बूर मध की ओर से)।

सदस्य

6. विनियम 10-ए (1) (एफ०) के अन्तर्गत :

प्रबन्धक स्थानीय कार्यालय, क० रा० बी० निगम, चौहार

पदेन सदस्य

सचिव

विजय कम्पारे,
क्षेत्रीय निदेशक

संचार मंत्रालय

डाक विभाग

गई विली-110001, दिनांक 20 जुलाई 1989

सूचनाएं

सं० 25-18-89 एल०आई०—विभाग की अधिकारका में गुम हुई निम्नलिखित डाक जीव है बीमा पालिसियों के बारे में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि उनका भुगतान रोक दिया गया है। निवेशक, डाक जीवन बीमा कलकत्ता को बीमाकर्ताओं के नाम दुहरी पालिसियां जारी करने के लिए प्राप्तिकृत कर दिया गया है। सर्वसाधारण को जेतावनी दी जाती है कि वे मूल पालिसियों के बारे में लेन देन न करें।

क्र०सं०	पालिसी संख्या	दिनांक	बीमाकर्ताओं का नाम	राशि (रुपये)
1.	168571-सी	28-7-76	श्री आई० एस० गुरुंग	15,000/- ₹० ए०/५५

गई विली, दिनांक 24 जुलाई 1989

सं० 25-15/89-एल०आई०—विभाग की अधिकारका में गुम हुई निम्नलिखित डाक जीवन बीमा पालिसियों के बारे में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि उनका भुगतान रोक दिया गया है। निवेशक, डाक जीवन बीमा, कलकत्ता को बीमाकर्ताओं के नाम दुहरी पालिसियां जारी करने के लिए प्राप्तिकृत कर दिया गया है। सर्वसाधारण को जेतावनी दी जाती है कि वे मूल पालिसियों के बारे में लेन-देन न करें।

क्र०	पालिसी संख्या	दिनांक	बीमाकर्ताओं का नाम	राशि (रुपये)
1.	383589-पी		श्री नारायण सोसला	5,000/- ₹० ए०/५८

सं० 25-7/89-एल०आई०—विभाग की अधिकारका में गुम हुई निम्नलिखित डाक जीवन बीमा पालिसियों के बारे में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि उनका भुगतान रोक दिया गया है। निवेशक, डाक जीवन बीमा, कलकत्ता को बीमाकर्ताओं के नाम दुहरी पालिसियां जारी करने के लिए प्राप्तिकृत कर दिया गया है। सर्वसाधारण को जेतावनी दी जाती है कि वे मूल पालिसियों के बारे में लेन-देन न करें।

क्र०	पालिसी संख्या	दिनांक	बीमाकर्ताओं का नाम	राशि (रुपया)
1.	314351-पी		श्री लाल सिंह	8,000/- ज्योत्सना धीर, निवेशक (पी०एल०आई०)

केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त का कार्यालय

गई विली-110001, दिनांक 27 जुलाई 1989

गुद्धि पत्र

पी-IV/1 (9)/86-दिनांक 6 मई, 1989 को भारत के राजपत्र, भाग-III, खण्ड-4 में प्रकाशित प्रथम अधिसूचना संख्या पी-IV/1 (9)/86 में—

(I) शब्द “कर्मचारी भविष्य निधि संगठन” के बाब शब्द “निधि अधिकारी” के स्थान पर शब्द “विधि अधिकारी” पढ़ें।

(II) क्रम संख्या 1(i) में शब्द “कर्मचारी भविष्य निधि संगठन” के बाब शब्द “निधि अधिकारी” के स्थान पर शब्द “विधि अधिकारी” पढ़ें।

(III) पैरा 2 में अर्थात् के रूप में व्याख्या बाले पैरा में “साधारणतः” शब्द के बीच “—” लगाएं।

2. द्वितीय अधिसूचना जो कि कर्मचारी भविष्य निधि संगठन, निवेशक (मनकर्ता) भर्ती नियम, 1985 से सम्बोधित है, में—
शब्द “4 वर्ष में अकिंक नहीं है” के नीचे शब्द “पाद टिप्पणी” जोड़े और उसके नीचे दी गई “दिनांक 15 जून, 1986” के स्थान पर “15 जून, 1985” पढ़ें।

दिनांक 1 अगस्त 1989

सं०पी-IV/1(12)/85 भाग-कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकार्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 5(ध) की उपधारा 7(क) द्वारा प्रदत्त प्रक्रियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय न्यासी बोर्ड, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन, हिन्दी अनुवादक (येड-II) भर्ती नियम, 1983 में एतद्वारा संशोधन करके निम्ननिश्चित नियम बनाती है, अर्थात्—

1. (I) ये नियम कर्मचारी भविष्य निधि संगठन हिन्दी अनुवादक (येड-II) भर्ती (संशोधन) नियम 1989 कहलाएंगे।

(II) ये भरकारी राजपत्र में प्रकाशन की नियम में प्रभावी होंगे।

2. कर्मचारी भविष्य निधि संगठन हिन्दी अनुवादक (येड-II) भर्ती नियम, 1983 में “आयु में छील में सर्वधित बर्समात्र प्रथिष्ठियां जो कि निम्ने कालम 7 में हैं, को निम्नलिखित प्रकार से प्रतिस्पापित किया जाएगा।

1. (I) “कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के सामान्य उम्मीदवारों के मामलों में 40 वर्ष तथा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति के उम्मीदवारों के मामले में 45 वर्ष तक छील दी जाएगी”

(II) सार्वजनिक दोक्य के उपक्रमों, स्वायत निकायों तथा निगमों में कार्यरत भरकारी कर्मचारियों के लिए 35 वर्ष तक छील दी जाएगी।

पाद टिप्पणी :

मूल नियम अधिसूचना सं० पी०-III/धे० प्रशा०/11/14(3)/79, दिनांक 9-6-1983 द्वारा भारतीय राजपत्र के भाग-III, धारा-4 में दिनांक 25 जून, 1983 में प्रकाशित किए गए थे।

सं०पी-IV/1(12)/85/भाग—कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकार्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 5(ध) की उपधारा 7(क) द्वारा प्रदत्त प्रक्रियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय न्यासी बोर्ड, कर्मचारी भविष्य निधि, कर्मचारी निधि संगठन आशुलिपिक भर्ती विनियम, 1986 में एतद्वारा संशोधन करके निम्नलिखित नियम बनाती है अर्थात्—

1. (I) ये नियम कर्मचारी भविष्य निधि संगठन आशुलिपिक भर्ती (संशोधन) नियम, 1989 कहलाएंगे।

(II) ये भरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से प्रभावी होंगे।

2. कर्मचारी भविष्य निधि संगठन आशुलिपिक भर्ती नियम, 1986 में आयु में छील में गंवंधित आशुलिपिक (येड-II) तथा (येड-III) की

प्रत्येक अनुसूची के नीचे कालम 7 में दर्शायी गयी वर्तमान प्रतिलिपियों वो निम्नलिखित प्रकार से प्रतिस्थापित किया जाएगा:-

“मरकारी कर्मचारियों के मामलों में 35 वर्ष तथा कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के सामान्य उम्मीदवारों के मामलों में 10 वर्ष तथा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के मामलों में 45 वर्ष तक दी जाएगी।”

पाद टिप्पणी :

मूल नियम अधिसूचना नं. पी. IV/2(4)/83/आर० आर दिनांक 15-7-86 द्वारा भारतीय राजपत्र के भाग-III, धारा-1 में दिनांक 26-7-86 को प्रकाशित किए गये थे।

सं० पी० ।/V1(12)/85/भाग—कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 5(ध) की उपधारा 7(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय न्यासी बोर्ड, कर्मचारी भविष्य निधि, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन एवं प्रशिक्षण विभाग, 1985 में एतद्वारा संशोधन करके निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्—

1. (i) ये नियम कर्मचारी भविष्य निधि संगठन कर्तिष्ठ पुस्तकालयाध्यक्ष तथा पुस्तकालय परिवर्त भर्ती संगठन) विनियम, 1989 कहलाएंगे।

(ii) ये मरकारी राजपत्र में प्रकाशन की निधि से प्रभावी होंगे।

2 कर्मचारी भविष्य निधि संगठन कर्तिष्ठ पुस्तकालयाध्यक्ष संकालन विभाग, 1985 में आयु में दील से संबंधित बनेमान प्रविधियां, जो कि अनुग्रहीत के नीचे कालम 7 में हैं, वो निम्नलिखित प्रकार से प्रतिस्थापित किया जाएगा:-

“मरकारी कर्मचारियों के लिए 35 वर्ष तथा कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के सामान्य उम्मीदवारों के मामलों में 40 वर्ष तथा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के मामलों में 45 वर्ष तक दी जाएगी।”

पाद टिप्पणी:

मूल विनियम अधिसूचना सं० पी० II/2(3)/83/आर०आर०/पी० IV दिनांक 16-1-85 द्वारा भारतीय राजपत्र के भाग-III, धारा-4 में दिनांक 4-5-85 को प्रकाशित किए गये थे।

सं० पी० IV/3(12)/85/भाग—कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा (5-III) की उपधारा 7(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय न्यासी बोर्ड, कर्मचारी भविष्य निधि, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन, स्टाफ कार ड्राइवर/जीप ड्राइवर तथा डिस्पैच राइडर/स्कूटर ड्राइवर भर्ती विनियम, 1986 में एतद्वारा संशोधन करके निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्—

1. (i) ये नियम कर्मचारी भविष्य निधि संगठन स्टाफ कार ड्राइवर/जीप ड्राइवर तथा डिस्पैच राइडर/स्कूटर ड्राइवर भर्ती (संशोधन) विनियम, 1989 कहलाएंगे।

(ii) ये मरकारी राजपत्र में प्रकाशन की निधि से प्रभावी होंगे।

2. कर्मचारी भविष्य निधि संगठन विजली मिस्ट्री (वायररमेन) भर्ती विनियम, 1986 में आयु में दील से संबंधित वर्तमान प्रशिक्षियों का जो कि अनुसूची के नीचे कालम 6 में है, निम्नलिखित प्रकार से प्रतिस्थापित किया जाएगा—

“मरकारी कर्मचारियों के लिए 35 वर्ष तथा कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के उम्मीदवारों के वर्गों में 40 वर्ष तथा अनुसूचित जाति/जनजाति के उम्मीदवारों के मामलों में 45 वर्ष तक दी जाएगी।”

पाद टिप्पणी:—

मूल नियम अधिसूचना पं० IV में 2(3) विजली मिस्ट्री/84 दिनांक 7-2-86 द्वारा भारतीय राजपत्र के भाग-III धारा-4 में दिनांक 22-2-86 में प्रकाशित किए गए थे।

सं० पी० IV/1(12)/85/भाग—कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 5(ध) की उपधारा 7(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय न्यासी बोर्ड, कर्मचारी भविष्य निधि, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन एवं प्रशिक्षण भर्ती विनियम, 1986 में एतद्वारा संशोधन करके निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्—

1. (i) ये नियम कर्मचारी भविष्य निधि संगठन पलायन तथा पम्प-आपरेटर भर्ती (संशोधन) विनियम, 1989 कहलाएंगे।

(ii) ये मरकारी राजपत्र में प्रकाशन की निधि से प्रभावी होंगे।

2 कर्मचारी भविष्य निधि संगठन पलायन तथा पम्प-आपरेटर भर्ती विनियम, 1986 में आयु में दील से संबंधित बनेमान प्रविधिया, जो कि अनुग्रहीत के नीचे कालम 7 में है, वो निम्नलिखित प्रबार से प्रतिस्थापित किया जाएगा—

“कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के सामान्य उम्मीदवारों के मामलों में 40 वर्ष तथा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के मामलों में 15 वर्ष तक दी जाएगी।”

पाद टिप्पणी :

मूल विनियम अधिसूचना सं० पी० IV/1 (4)/84/आर० आर० दिनांक 11-7-86 द्वारा भारतीय राजपत्र के भाग-III, धारा-4 में दिनांक 26-7-86 को प्रकाशित किए गए थे।

सं० पी० IV/1(12)/85/भाग—कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 5(ध) की उपधारा 7(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय न्यासी बोर्ड, कर्मचारी भविष्य निधि, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन, स्टाफ कार ड्राइवर/जीप ड्राइवर तथा डिस्पैच राइडर/स्कूटर ड्राइवर भर्ती विनियम, 1986 में एतद्वारा संशोधन करके निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्—

1. (i) ये नियम कर्मचारी भविष्य निधि संगठन स्टाफ कार ड्राइवर/जीप ड्राइवर तथा डिस्पैच राइडर/स्कूटर ड्राइवर भर्ती (संशोधन) विनियम, 1989 कहलाएंगे।

(ii) ये मरकारी राजपत्र में प्रकाशन की निधि से प्रभावी होंगे।

2. कर्मचारी भविष्य निधि संगठन स्टाफ कार ड्राइवर/जीप ड्राइवर तथा डिस्पैच राइडर/स्कूटर ड्राइवर भर्ती विनियम, 1986 में आयु में दील से संबंधित स्टाफ कार ड्राइवर/जीप ड्राइवर तथा डिस्पैच राइडर/स्कूटर ड्राइवर की प्रत्येक की अनुसूची के कालम 7 के नीचे आने वाली प्रतिलिपियों को निम्नलिखित प्रकार से प्रतिस्थापित किया जाएगा—

“मरकारी कर्मचारियों के लिए 35 वर्ष तथा कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के सामान्य उम्मीदवारों के मामलों में 40 वर्ष तथा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के मामलों में 45 वर्ष तक दी जाएगी।”

पाद टिप्पणी:

मूल विनियम अधिसूचना सं० पी० IV/2(1)/84/आर०आर०/एस० सी० छी० विनांक 6-6-86 द्वारा भारतीय राजपत्र के भाग-III, धारा-4 में विनांक 21-6-86 में प्रकाशित किए गए थे।

सं. पी. IV/1/(12) 85/भाग—कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 5(घ) की उपवारा 7(क) द्वारा प्रदत्त खिलाफ कार्रवै हुए केन्द्रीय न्यासी ओड़, कर्मचारी भविष्य निधि, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन जिल्डसाज (बाइंडर) भर्ती नियम, 1986 में एकद्वारा सशोधन करके सिन्हलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. (i) ये नियम कर्मचारी भविष्य निधि संगठन जिल्डसाज (बाइंडर) भर्ती (संशोधन) नियम, 1989 कहताहै।

(ii) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से प्रभावी होगे।

2. कर्मचारी भविष्य निधि संगठन जिल्डसाज (बाइंडर) भर्ती विनियम, 1986 में आयु में धीमे से संबंधित वर्तमान प्रविष्टियों जो कि अनुसूची के कानून 7 के नीचे हैं, को निम्नलिखित प्रकार में प्रतिस्थापित किया जाएगा—

“कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के कर्मचारियों में से सामान्य उम्मीदवारों के सामनों में 40 वर्ष तथा अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के सामनों में 45 वर्ष तक छोटी जापानी।”

पाद टिप्पणी :

सन नियम अधिगृहनाम सं. पी. IV/1/(3) 86 दिनांक 16-1-87 द्वारा भारतीय राजपत्र के भाग—III, गाँव—4 में दिनोंक 31-1-87 को प्रकाशित किए गए थे।

दो. पृ. १० साम
केन्द्रीय भविष्य निधि आयूक्त
सथा

गतिविधि, केन्द्रीय न्यासी दो, कर्मचारी भविष्य निधि

भारतीय श्रावोगिक वित्त नियम

नई दिनांकी

भारत के राजपत्र, भाग—III, खण्ड 1 दिनांक 22 अप्रैल, 1989 में पृष्ठ संख्या 173 से 190 तक

प्रकाशित भारतीय श्रावोगिक वित्त नियम कर्मचारी भविष्य निधि विभाग, 1948 का गुरुद्वेरा

क्रम सं.	पृष्ठ सं.	कानून व पंक्ति संख्या	अंगठ	ग्रन्थ
1.	473	कानून 2, विनियम 13 (ग) (ii)	न्यानालय	न्यानालय
2.	“	परन्तुक की पांचवी पंक्ति परन्तुक की दसवी पंक्ति	एक दर्ये से अनांशिक अभिदाना, या उसके नाभित या	एक दर्ये में अनांशिक अभिदाना, या उसके नाभित या
3.	474	कानून 1, विनियम 3, तीसरी पंक्ति	गण—संघ्या	गण—संघ्या में
4.	“	कानून 2, विनियम 6, दूसरी पैरा, चौथी पंक्ति	यदि कोई हो, कोई, की	यदि कोई हो, की
5.	475	कानून 1, विनियम 8, प्रथम परन्तुक, 5 की पंक्ति	नियुक्ति संविद	नियुक्ति संविदा
6.	“	कानून 2, विनियम 9 की नवी व दसवी पंक्ति	स्थिति पर	स्थिति के अनुसार
7.	“	कानून 2, विनियम 11 (1) दूसरी पंक्ति	उस पर लगे व्याज अधिक	उस पर लगे व्याज से अधिक
8.	476	कानून 1, विनियम 11 (1) (क्र)	नियम के द्वाराकिया जाएगा;	नियम के द्वारा लिखित रूप में रिकार्ड किए गए विशेष कारणों के अनिवार्य अप्रिम प्रदान नहीं किया जाएगा;
9.	“	कानून 2, विनियम 12 (2), चौथी पंक्ति	कुछ बकाया हो, की	कुछ बकाया हो, की
10.	“	विनियम 13	विनियम 13	हन शब्दों को विनोगित समझा जाए
11.	477	कानून 2, विनियम 14 (क्र)	यदि अभिदाना के कदाचार	यदि अभिदाना को कदाचार
12.	“	विनियम 14 (2) (i)	()	(i)
13.	480	कानून 2, विनियम 15 (4) का परन्तुक	व्यवस्थानुसार	व्यवस्थानुसार
14.	480	विनियम 15 (5) (क) की प्रथम पंक्ति	विशिष्ट नामित	विशिष्ट नामिती
15.	481	कानून 1, सप्टीकरण—I	सप्टीकरण—	सप्टीकरण—I

लालनी नों;

बैरकपुर छावनी, दिनांक 21 जुलाई, 1989

मं. धा० नि०आ०४१/II/24—छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 284 की उपधारा (1) की अपेक्षानुसार छावनी बोर्ड की सूचना मं. ई०/II/24, तारीख 9 नवम्बर, 1988 के अधीन शारा सरकार के रथा गंवालपण की अधिसूचना मं. का० नि० आ०३, शारीर 20 दिसम्बर, 1956 के साथ बैरकपुर की छावनी में यानों के नियन्त्रण और उनके किरण पर अलाग जाने वालों के सामने के स्थानियों या चालकों को अनुश्रूतियाँ दिए जाने को विनियमित करने के लिए उपविधियों का और संशोधन करने के लिए कनिपय उपविधियों प्रकाशित की गई थी जिनसे उन सभी व्यक्तियों में जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना थी, 8 विसम्बर, 1988 तक आक्षेप और सुनाव मार्गे गए थे; और केस्टीय सरकार ने उक्त अधिनियम की धारा 284 की उपधारा (1) की अपेक्षानुसार उपविधियों का संशोधन करने संबंधी उक्त प्राप्त अनुमोदित कर दिया है और उनकी पुरिट कर दी है।

अन: अब, छावनी बोर्ड, बैरकपुर, छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 282 के खण्ड (25) और (26) तथा धारा 283 द्वारा प्रवसा शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बैरकपुर छावनी से ऐसे यानों के किरण पर चल रहे यानों के नियन्त्रण और स्थानियों या चालकों को अनुश्रूति दिए जाने को विनियमित करने के लिए उपविधियों का निम्नलिखित और गंवालपण करना है, अर्थात्:—

1. (i) इन उपविधियों का मंत्रिपत्र नाम यानों के नियन्त्रण को विनियमित करने के लिए उपविधियों (संशोधन) 1989 में है।

(ii) ये राजपत्र से प्रकाशन की तिथि से प्रकृत होंगी।

2. यानों के नियन्त्रण को विनियमित करने के लिए उपविधियों, में उपविधि 6 में खण्ड (iii) के स्थान पर, निम्नलिखित खण्ड रखा जाएगा, अर्थात्:—

(i) उपविधि 4(ए) से उल्लिखित और्यों वर्ग के यानों के लिए अर्थ वर्ण या उसके भाग के लिए दस रुपए।

(ii) उपविधि 21 के स्थान पर, निम्नलिखित उपविधि रखी जाएगी, अर्थात्:—

“21 उपविधि 4 से उल्लिखित किसी भी वर्ग के यान के चालक की अनुश्रूति के लिए संदेश फोस अर्थ वर्ण या उसके भाग के लिए दो रुपए होगी।”

(फाइल नं. 362590/बीकोपी/एनसी 3/फॉट/ईसी/डीई)

प्रचुर गोप्यल
छावनी अधिकारी संस्था
बैरकपुर छावनी

राष्ट्रीय आवास बैंक
(भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा पूर्णतः स्वाधिकृत)

वम्बई-400023, दिनांक 26 जून, 1989

मं. एनएचरी० एचएफसी० डोआईआर० 1/सीएमडी-89—राष्ट्रीय आवास बैंक, एक प्रमुख एजेंसी के रूप में, यश्विन्द्र करने के बाद कि नीचे लिखे निदेश जारी करना जनहित में आवश्यक है, राष्ट्रीय आवास बैंक अधिनियम, 1987 (1987 का 53) की धारा 30 और 31 द्वारा प्रदत्त अधिकारों और इस कार्य के लिए उसे प्रदान किए गए सभी अधिकारों का प्रयोग करते हुए, प्रत्येक आवास वित्त कम्पनी को, इसके द्वारा, इससे आगे बढ़ाए गए निदेश देता है।

भाग I-प्रारंभिक

1. मंथित शीर्षक और निदेशों का प्रारम्भ

ये निदेश आवास वित्त कम्पनी (राष्ट्रीय आवास बैंक) द्वारा, 1989 के नाम से जारी जाएंगे। ये निदेश 26 जून, 1989 से आगे होने वाले इन निदेशों में उनके प्रारम्भ होने की तारीख के बारे में कोई संदर्भ उस तारीख का गंदर्भ माना जाएगा।

2. परिभाषाएँ:

(1) इन निदेशों में जब तक संदर्भ द्वारा अन्यथा अपेक्षित न हो,

(क) “कम्पनी” का अर्थ भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की धारा 45का (क) में यथा परिभाषित कंपनी है, परन्तु इसमें ऐसी कोई कम्पनी मम्मिलित नहीं हैं जिसका तत्समय प्रबृत्त किसी विधि के अन्तर्गत परिसमापन किया जा रहा हो।

(ख) “बैंकिंग कम्पनी” का अर्थ है बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 1) की धारा 5(ग) में यथा परिभाषित कोई बैंकिंग कम्पनी;

(ग) “आवास वित्त कम्पनी” का अर्थ है राष्ट्रीय आवास बैंक अधिनियम, 1987 (1987 का 53) की धारा 2(ष) में यथा परिभाषित कोई संस्था, परन्तु इसमें कोई फर्म अथवा व्यक्तियों का गैर-निगमित संघ सम्मिलित नहीं है;

(घ) ‘जमाराशि’ का अर्थ वही होगा जो भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की धारा 45का (बब्ब) में बताया गया है;

(ङ) “जमाकर्ता” का अर्थ है ऐसा कोई भी व्यक्ति जिसने आवास वित्त कम्पनी के पास जमाराशि आदा की है;

(च) “निर्बंध प्रारक्षण निधियों” में शेयर, प्रीमियम आदि में शेष राशि, पूँजी और डिवेंचर विभोगन प्रारक्षण निधि और कोई अन्य प्रारक्षण निधि सम्मिलित हैं जो किसी कम्पनी के तुलन-पत्र में दिखाई गयी या प्रकाशित की गयी हो और ऐसे लाभों का आबंदन करके सूचित की गई हो जो निम्नलिखित प्रकार के न हों :

(i) किसी भावी भी चुकौती करने के लिए अथवा आस्तियों के मूल्यलास के लिए अथवा अशोध्य ऋण के लिए सूचित प्रारक्षण निधि अथवा

(ii) कम्पनी की आस्तियों का पुनर्मूल्यांकन कर के सूचित की गयी प्रारक्षण निधि;

(छ) “प्रतिभूतियों” का अर्थ है शेयर, स्टॉक, बांड, डिवेंचर, डिवेंचर स्टॉक आदि सरकार अथवा किसी अन्य स्थानीय प्राधिकरण द्वारा जारी की गई प्रतिभूतियों अथवा उसी प्रकार की अन्य विपणन भीय प्रतिभूतियों;

(ज) वे शब्द या अभिव्यक्तियाँ जो यहाँ इस्तेमाल की गई हैं किन्तु यहाँ परिभाषित नहीं की गयी हैं और राष्ट्रीय आवास बैंक अधिनियम, (1987 का 53) में परिभाषित की गयी हैं, उनका अर्थ वह होगा जो उक्त अधिनियम में बताया गया कोई अन्य शब्द या अभिव्यक्तियाँ जो न सो यहाँ परिभाषित ही गयी हैं और न ही राष्ट्रीय आवास बैंक अधिनियम, 1987 (1987 का 53 में, उनका अर्थ वही होगा

ओं गांधीय इंकारी बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2), बैंककारी विनियमन अधिनियम 1919 (1949 का 10) आरा कर्मी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) में बताया गया है।

(2) (क) यदि प्रश्न उठ जाता हो कि वया कोई कम्पनी वित्तीय संस्था है या नहीं, तो ऐसे प्रश्न के संबंध में राष्ट्रीय आवास बैंक द्वारा केन्द्र सरकार से परामर्श करके निर्णय किया जाएगा।

(ब) यदि प्रश्न उठ जाता हो कि वया कोई कम्पनी आवास वित्त कम्पनी हैं या नहीं, तो राष्ट्रीय आवास बैंक द्वारा उसका निर्णय कम्पनी द्वारा प्राप्त रूप से किए जाने वाले कारोबार और अन्य कारणों को ध्यान से रखकर किया जाएगा।

3. धन की कृच्छ प्रकार जमा राशियों पर नियमों का लागू न होना

इन नियमों के पैराग्राफ 4 से 11 और 16 में दी गई कोई भी वात किसी आवास वित्त कम्पनी द्वारा प्राप्त निम्नलिखित प्रकार की जमाराशियों पर लागू नहीं होगी:

(i) केन्द्र सरकार अथवा किसी राज्य सरकार से प्राप्त कोई धन अथवा किसी अन्य सूक्ष्म से प्राप्त कोई ऐसा धन, जिसकी चुकौती केन्द्र सरकार अथवा राज्य सरकार द्वारा प्रस्तुत है अथवा किसी स्थानीय प्राधिकरण अथवा विदेशी सरकार अथवा किसी अन्य प्राधिकरण से प्राप्त कोई धन;

(ii) किसी बैंककारी कम्पनी से अथवा भारतीय स्टेट बैंक अथवा बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 51 के अधीन केन्द्र सरकार द्वारा अधिसूचित किसी बैंककारी संस्था से अथवा बैंककारी कम्पनी (उपक्रमों का अर्जन और अन्तरण) अधिनियम, 1970 (1970 का 5) की धारा 3 में यथापरिभावित अथवा बैंककारी कम्पनी (उपक्रमों का अर्जन और अन्तरण) अधिनियम, 1980 (1980 का 40) की धारा 3 में यथापरिभावित किसी संकालनी नये बैंक से अथवा क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) के अन्तर्गत स्थापित किसी क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक से अथवा भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की धारा 2 के अंडे (बि ii) में यथा परिभावित किसी महाकारी बैंक से प्राप्त कोई धन;

(iii) राष्ट्रीय आवास बैंक अधिनियम, 1987 (1987 का 63) के अधीन स्थापित राष्ट्रीय आवास बैंक अथवा भारतीय ग्रामीणिक विकास बैंक अधिनियम, 1964 (1964 का 18) के अधीन स्थापित भारतीय ग्रामीणिक विकास बैंक अथवा भारतीय कम्पनी अधिनियम, 1913 (1913 का 7) के स्थापित भारतीय ग्रामीणिक अग्न और निवेश नियम लि० अथवा ग्रामीणिक वित्त नियम अधिनियम, 1948 (1948 का 15) के अधीन स्थापित भारतीय ग्रामीणिक वित्त नियम अथवा भारतीय ग्रामीणिक पुनर्नियन बैंक अधिनियम, 1984 (1984 का 62) के अधीन स्थापित भारतीय ग्रामीणिक पुनर्नियन बैंक थवा जीवन बीमा नियम अधिनियम, 1956 (1956 का 31) के अधीन स्थापित भारतीय जीवन बीमा नियम अथवा भारतीय यूनिट फ्लॉट अधिनियम, 1963 (1963 का 52) के अधीन स्थापित भारतीय यूनिट फ्लॉट अथवा साम्बारण बीमा कारोबार (राष्ट्रीयकरण) अधिनियम, 1972 (1972 का 57) के साथ पठित बीमा अधिनियम, 1938 (1938 का 4) के अधीन स्थापित भारतीय साधारण

बीमा नियम और उसकी महायक कम्पनियों अथवा केन्द्र गवर्नर अथवा विदी राज्य सरकार द्वारा पूर्णतः स्वाधिकृत किसी अन्य विनायक संस्था अथवा इस सम्बन्ध में राष्ट्रीय आवास बैंक द्वारा अधिसूचित की गयी किसी अन्य विनायक संस्था से प्राप्त कोई छूट;

(iv) किसी ऐसी अन्य कम्पनी, जो भारत से बाहर नियमित कम्पनी न हो, से प्राप्त कोई धन;

(v) किसी ऐसे व्यक्ति जो धन की प्राप्ति के समय कम्पनी का निवेशक था अथवा है, से प्राप्त कोई धन अथवा किसी निजी कम्पनी, जिसमें ऐसी निजी कम्पनी सम्मिलित होगी जिसे अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 43 अ के उपक्रमों के कारण सार्वजनिक कम्पनी माना जाए, द्वारा अपने शेयरधारकों से प्राप्त कोई धन;

वर्षते इन नियमों के प्रारम्भ होने पर अथवा उसके बाद प्राप्त किसी धन के मामले में, जिस व्यक्ति से धन प्राप्त हुआ है उससे कम्पनी को धन प्राप्त होने के समय, लिखित रूप में घोषणा प्रस्तुत की है कि उसके द्वारा उक्त धन किसी अन्य व्यक्ति से उधार लेकर अथवा जमाराशि स्वीकार करके अजित की गयी मिथियों में से नहीं दिया गया है।

(vi) कम्पनी के किसी कर्मचारी ने जमाराशि जमाराशि के रूप प्राप्त कोई धन;

(vii) किसी क्रय एंजेंट, विक्रय एंजेंट अथवा अन्य एंजेंट से कम्पनी के कारोबार के दौरान अथवा कारोबार के प्रयोजन के लिए जमानत के रूप में अथवा अग्रिम के अप में प्राप्त कोई धन अथवा वस्तुओं अथवा सम्पत्तियों को आपूर्ति के लिए अथवा कोई सेवाएं प्रदान करने के लिए प्राप्त कोई अग्रिम;

(viii) डिवेंचर अथवा बांड जारी करके जुटाया गया कोई धन जो कम्पनी की अचल सम्पत्तियों अथवा उनके किसी अंश की गिरवी द्वारा रक्षित हो अथवा ऐसे डिवेंचर और बांड जिन्हें ईक्सिटटी शेयर पूँजी में परिवर्तित करने का विकल्प दिया गया हो, को जारी करके जुटायी गयी पूँजी;

वर्षते अचल सम्पत्तियों की गिरवी द्वारा रक्षित डिवेंचरों और बांडों के मामले में, ऐसे डिवेंचरों और बांडों की राशि ऐसी अचल सम्पत्तियों में बाजार मूल्य से अधिक नहीं होगी;

(ix) किसी ऐसे शेयरों अथवा स्टॉक के अभिवान के रूप में प्राप्त कोई धन, जिन शेयरों और स्टॉकों का आवंटन बाकी हो अथवा इस पैराग्राफ के अंडे (viii) में विनियोग प्रकार के ऐसे डिवेंचरों और बांडों में अभिवान के रूप प्राप्त कोई धन, जिन डिवेंचरों और बांडों का आवंटन बाकी हो तथा कम्पनी के अन्तर्नियमों के अनुसार शेयरों के संबंध में अग्रिम भांग के रूप में प्राप्त कोई धन, जब तक कि कम्पनी के अन्तर्नियमों के अधीन शेयरधारकों को ऐसे धन की जापसी अदायगी न की जानी हो,

(x) न्यास के रूप में प्राप्त कोई धन अथवा कोई मार्गस्थ धन।

भाग II—जमाराशियों स्वीकार करना

4. जमाराशियों स्वीकार करना

(1) जमाराशियों की अवधि

26 जून 1989 को और उस तारीख में कोई भी आवास विन कम्पनी निम्नलिखित प्रकार की कोई जमाराणि स्वीकार नहीं करेंगी अथवा 26 जून 1989 से पूर्व अथवा उसके पश्चात् स्वीकार की गयी किसी भी जमाराणि का नवीकरण नहीं करेंगी।

(क) जो गांग पर अथवा नोटिस पर प्रतिदेय हों; वथवा
(ख) जब तक ऐसी जमाराणि चौकीम महीनों से अधिक परन्तु ऐसी जमाराणि के स्वीकार करने अथवा नवीकरण करने की निधि से चौकीम महीनों से अनधिक अवधि में प्रतिदेय न हो।

वथतें किसी आवास विन कम्पनी द्वारा 26 जून 1986 से पहले स्वीकार की गयी जमाराणियों का जब तक उन निवेशों के अनुसार नवीकरण न किया जाये, उनकी चौकीम ऐसी जमाराणियों की शर्तों के अनुसार की जायेगी।

परन्तु यह भी कि इस उप-पैरा में निहित कोई भी बात चिंचेंचर और बांड जारी करके जूटाये गये किसी घन के संबंध में लाग नहीं होगी।

स्टैटीकरण

वहां कोई जमाराणि किसीमें स्वीकार की जाती है; वहां जमाराणि की अवधि पहली किस्त प्राप्त होने की तारीख से गिनी जायेगी।

(2) निर्धारित उच्चतम सीमा अधिक जमाराणियों स्वीकार करने अथवा उनका नवीकरण करने पर प्रतिबंध तथा पहले स्वीकार की गयी जमाराणियों और उच्चतम सीमाओं से अधिक रखी गयी जमाराणियों को विनियमित करना

26 जून 1989 को और उस तारीख से, कोई भी आवास विन कम्पनी ऐसी जमाराणियों नहीं रखेगी जिनकी समग्र राणि, उसके द्वारा धारित पैरा 3 के खंड (iii), (iii) में और (viii) में उल्लिखित राणियों सहित, यदि कोई हों तो, नीचे विनियमित सीमाओं से अधिक हो:—

आवास विन कम्पनी की शुरू यांत्रिक निधियां	गुद्द स्वाधिकृत निधियों के गणना के रूप में उपर्युक्त उधार
(क) 10 करोड़ रुपये तक	10 गुना
(ख) 10 करोड़ रुपये से अधिक परन्तु 20 करोड़ रुपये से कम	12.5 गुना
(ग) 20 करोड़ रुपये से अधिक	15 गुना

वथतें किसी आवास विन कम्पनी द्वारा राष्ट्रीय आवास ईक गे प्राप्त कोई क्रृपण इस खंड के प्रयोगन के लिए सम्मिलित नहीं किया जायेगा।

जहां किसी आवास विन कम्पनी के पास 26 जून 1989 को उपर विनियमित सीमाओं से अधिक जमाराणियों हों तो वह यह मुनियन करेंगी कि ऐसी अधिक गणि पहली अप्रैल 1990 से पहले, जमाराणियों की छैकीम इस प्रावधान के अनुपालन के लिए आवश्यक किसी अन्य रूप में कम कर दी जाती है।

स्टैटीकरण :

इस पैरा के प्रयोगन के लिए "गुद्द स्वाधिकृत निधियों" का अर्थ होगा कम्पनी के नवीनतम लेखा परीक्षित तुलन-पत्र में वर्णयी गयी कम्पनी की चुकौती पूर्जी और निवेद्य प्रावधान किसियों के जोड़ में से उक्त तुलन-पत्र में वर्णयी गयी संक्षिप्त हाति की राणि, आस्थगित राजस्व वथय तथा कोई अन्य अमृत आस्थियों, यदि कोई हों, को घटाकर प्राप्त राणि।

5. जमाराणियों प्राप्त करने के लिए आवेदन-पत्र में निर्धारित किये जाने वाले विवरण

26 जून 1989 को और उस तारीख से कोई भी आवास वित्त कम्पनी, आवास वित्त कम्पनी द्वारा दिये जाने वाले फार्म में, जमाकर्ता से लिखित आवेदन के बारे कोई भी जमाराणि स्वीकार नहीं करेंगी, उनका नवीकरण नहीं करेंगी अथवा उसे परिवर्तित नहीं करेंगी, उक्त फार्म में कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 58 के अधीन बनाये गये गैर-डैकिंग वित्तीय कंपनी और विविध गैर-डैकिंग कंपनी (विक्रान) नियम, 1977 में विनियमित सभी विवरण होंगे।

6. जमाकर्ताओं को रसीद देना

(1) इन निवेशों के प्रवृत्त होने की तारीख से पहले या बाद में आवास विन कंपनी द्वारा जमाराणि के रूप में प्राप्त या प्राप्त राजि के लिए प्रत्येक आवास वित्त कंपनी जमाकर्ता अथवा उसके एंजेंट वा रसीद देगी, यदि रसीद पहले न दी गयी हो।
(2) उक्त रसीद पर आवास वित्त कम्पनी की ओर से हस्ताक्षर करने के लिए अधिकारी प्राप्त अधिकारी विधिवत् हस्ताक्षर करेंगा। इस रसीद में राणि जमा करने की तारीख, जमाकर्ता का नाम, आवास वित्त कंपनी द्वारा प्राप्त जमाराणि शब्दों और अंकों में, जमाराणि पर देय व्याज की दर और जमाराणि लौटाने की तारीख दर्शायी जायेगी।

7. जमाराणियों का रजिस्टर

(1) प्रत्येक आवास वित्त कंपनी एक अथवा अनेक रजिस्टर रखेगी जिसमें/जिसमें प्रत्येक जमाकर्ता के बारे में अन्य निम्नलिखित विवरण लिखे जायेंगे, अर्थात्:—
(क) जमाकर्ता का नाम और पता
(ख) प्रत्येक जमा की तारीख और जमा की गयी राणि
(ग) प्रत्येक जमाराणि की अवधि और देय तारीख
(घ) प्रत्येक जमाराणि पर उचित व्याज अथवा प्रीमियम की राणि और तारीख
(इ) मूलधन, व्याज अथवा प्रीमियम की प्रत्येक चुकौती की तारीख और राणि, और
(ज) जमाराणि में संबंधित कोई अन्य विवरण।

(2) पूर्वान्तर रजिस्टर आवास वित्त कंपनी के पंजीकृत कार्यालय ने रखा जायेगा/रखे जायेंगे और जिसमें/जिसमें जमाराणि के विवरण समाविष्ट हैं उसे/उसमें उस विच्छीय वर्ष के बाद कम से कम वर्ष तक अच्छी हालत में रखा जायेगा जिसमें जमाराणि की चुकौती या वित्तीय नवीकरण की अंतिम प्रक्रिया की गयी हो।

वथतें यदि आवास वित्त कम्पनी कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209 की उप-धारा (1) में उल्लिखित खाता बहियां उक्त उपधारा के परन्तु के अनुसार अपने पंजीकृत कार्यालय के अलावा

किसी अन्य स्थान पर रखती है तो उसे इस पैरा का पर्याप्त अनुपालन समझा जायेगा, यदि पूर्वोक्त रजिस्टर किसी ऐसे अन्य स्थान पर रखा गया है/यहै तैं जो हम जर्ते पर होगा कि कम्पनी ने उक्त उपचारा के परत्तुक के अन्तर्गत पंजीयक के पास जो नोटिस प्रस्तुत किया है, उस नोटिस की एक प्रति, नोटिस प्रस्तुत करने की तारीख से सात दिन के भीतर राष्ट्रीय आवास बैंक को भी जायेगी।

8. बोर्ड की रिपोर्ट में जामिल की जाने वाली सूचना

(1) इन निवेशों के प्रारम्भ होने की तारीख के बाद कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की आरा 217 की उप-आदा (1) के अधीन साधारण बैंक में आवास वित्त कम्पनी के सम्बन्ध प्रस्तुत निदेशक बोर्ड की प्रत्येक रिपोर्ट में निम्नलिखित विवरण अथवा सूचना जामिल की जायेगी, अर्थात्

(क) आवास वित्त कम्पनी के उन जमाकर्ताओं की कुल संख्या जिनकी जमाराशियों का दावा जमाकर्ताओं ने नहीं किया अथवा चुकौती या नवीकरण, ऐसी भी स्थिति हो, के लिए दिये हो जाने की तारीख के बाद आवास वित्त कम्पनी में जमाकर्ता के साथ की गयी संविधा अथवा इन निवेशों के उपचारों के अनुसार, वे भी नागू हों, उन्हें अदा नहीं किया है, और

(ख) जमाकर्ताओं को केवल कुल राजियों जो पूर्वोक्त खंड (क) में उल्लिखित तारीखों के बाद अदा हैं या जिनके बारे में दावा नहीं किया गया है।

(2) उक्त विवरण या सूचना रिपोर्ट में सम्बन्धित वित्तीय वर्ष की अंतिम तारीख की स्थिति के सम्बन्ध में प्रस्तुत की जायेगी और पूर्वोक्त उप-पैरा के खंड (ख) में उल्लिखित दावा स की गयी अथवा असंवित-रित कुल राजि यदि पांच लाख रुपये से अधिक होती है तो रिपोर्ट में इस आण्य का एक विवरण भी जामिल किया जायेगा कि जमाकर्ताओं में देश राजियों और दावा न की गयी अथवा असंवित-रित राजियों की चुकौती के लिए निदेशक बोर्ड ने क्या कदम उठायें हैं अथवा क्या उपाय करने का प्रस्ताव किया है।

9. ब्याज की दर और दावाएँ की उच्चतम सीमा

26 जून 1989 को और उस तारीख से, कोई भी आवास वित्त कम्पनी—

(क) जोदह प्रतिशत वार्षिक में अधिक की दर पर जमाराशि आमंत्रित अथवा स्वीकार नहीं करेगी अथवा उसका नवीकरण नहीं करेगी;

(ख) किसी बलाल को उसके हारा अथवा उसके माध्यम से संग्रहीत जमाराशियों के लिए, ऐसी जमाराशियों के दो प्रतिशत (वार्षिक नहीं) में अधिक की दावाएँ, कमीशन, प्रोत्साहन अथवा कोई अन्य लाभ, जाहे उसे कोई भी नाम दिया जाये, अदा नहीं करेगी।

10. जमाराशियों की चुकौती के संबंध में सामान्य प्रावधान

जहां आवास वित्त कंपनी जमाराशि की चुकौती, राजि जमा करने की तारीख से चौबीम महीनों से अधिक की अवधि यीत जाने के बाद किन्तु आवास वित्त कंपनी द्वारा स्वीकार की गयी जमाराशि की अवधि बोते से पहले की जानी है, वहां ऐसी जमाराशि पर आवास वित्त कंपनी द्वारा देश राजि की दर उस दर से एक प्रतिशत कम कर दी जायेगी जो आवास वित्त कंपनी उस दण में सामान्य तौर पर अदा करती यदि माराशि उस अवधि के लिए स्वीकार की जानी जिसके लिए ऐसी जमाराशि रखी रही; आवास वित्त कंपनी ऐसी बटायी गयी दर से अधिक ब्याज दर अदा नहीं करेगी।

बाहरे इन पैराग्राफ में निहित कोई भी बात आवास वित्त कंपनी द्वारा ऐसी जमाराशि जिस अवधि के लिए स्वीकार की गयी थी, उस अवधि की समाप्ति से पूर्व किसी जमाराशि की अदायगी पर लागू नहीं होगी, यदि ऐसी अदायगी पूर्ण रूप से इन निवेशों के उपचारों के अनुपालन के प्रयोजन के लिये की जाती है।

स्पष्टीकरण :

इस पैराग्राफ के प्रयोजन के लिए, जिस अवधि तक जमाराशि रखी रही, उस अवधि में पूरे वर्ष से कम की अवधि जामिल हो और यह छह महीने से कम हो तो, उसे छाँड़ दिया जायेगा और यदि वह छह महीने या उससे अधिक हो तो उसे पूरे एक वर्ष के रूप में दिया जायेगा।

भाग III—विशेष उपचार

11. अनिश्चय आस्तियों का न्यूनतम प्रतिशत बनाये रखना

प्रत्येक आवास वित्त कंपनी भारत में (क) अनुसूचित बैंक के पास रखे जाने में (प्रधार या पुनर्भृणाधिकार से मुक्त) या (ख) भारत हित अनुमोदित प्रतिभूतियों में (ऐसी प्रतिभूतियों का मूल्यन फिलहाल उनके बाजार मूल्य पर किया जा रहा है) अथवा आंशिक रूप से ऐसे जाने में अथवा आंशिक रूप से ऐसी प्रतिभूतियों में ऐसी राशि बनाये रखेगी जो किसी दिन कारोबार ममाल होने के समय आवास वित्त कंपनी की अहियों में उस दिन वर्षायी गयी जमाराशियों के वस प्रतिशत से कम नहीं होगी।

स्पष्टीकरण

इस पैराग्राफ के प्रयोजन के लिए

(क) “अनुमोदित प्रतिभूतियों” का अर्थ वे प्रतिभूतियों जिनमें भारतीय व्यास अधिनियम, 1882 (1882 का 2) की आरा 20 के खंड (क), खंड (ख), खंड (खब), खंड (ग), खंड (ए) या खंड (दह) के अधीन किसी स्थासी को व्यास के धन का निवेश करने का अधिकार है;

(ख) “भारत हित अनुमोदित प्रतिभूतियों” में आवास वित्त मंपनी द्वारा किसी अन्य संस्था के पास अग्रिम या किसी अन्य अदायवस्था के लिए रखी गयी अनुमोदित प्रतिभूतियों जामिल होंगी जो उसी सीमा तक होंगी जिस सीमा तक ऐसी प्रतिभूतियों पर कोई राशि नहीं नी गयी है अथवा प्राप्त नहीं नी गयी है;

(ग) जमा खातों में शेष को उस सीमा तक जिस सीमा तक ऐसी जमाराशियों पर कोई राशि नहीं नी गयी है, अनिश्चय आस्तियों के रूप में माना जायेगा और हिसाब में लिया जायेगा।

भाग IV—त्रिविधि

12. राष्ट्रीय आवास बैंक को निवेशों रिपोर्ट के मात्र तुमन-पत्र और नेटवर्कों की प्रतियों प्रस्तुत करना

प्रत्येक आवास वित्त कंपनी, राष्ट्रीय आवास बैंक को प्रत्येक वित्तीय वर्ष की अंतिम त्रिविधि की स्थिति का लेखा-परीक्षित तुलन-पत्र और उस वर्ष के संबंध में लेखा-परीक्षित लाभ-हानि लेखा, जो आवास वित्त कंपनी द्वारा साधारण बैंक में पारित किया गया हो, प्रस्तुत करेगी, जिसके साथ ऐसी बैंक में कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की आरा 217 (1) के अनुसार आवास वित्त कंपनी के समझ प्रस्तुत

नियोगक बोर्ड की रिपोर्ट की प्रतिलिपि बैठक के 15 दिन के भीतर प्रस्तुत करेगी।

13. सेखा-परीक्षक और सेखा-परीक्षकों का प्रभाणन्त्र प्रस्तुत करने के लिए उपबंध

प्रत्येक आशास वित्त कंपनी राष्ट्रीय आशास बंक को, वैराग्याक 12 के प्रतिशत किये गये उपर्यंथ के अनुसार लेखा-परीक्षित तुलन पर वी प्रतिलिपि सहित, अपने लेखा-परीक्षकों, जो लेखा परीक्षकों के संस्थान (इंस्टीट्यूट ऑफ ऑर्डर्ड प्रॉफेशनल्स) के सदस्य हैं, का इस आशय का एक प्रबन्ध पत्र प्रस्तुत करेगी कि कंपनी के जमाकर्ताओं के प्रति दूरी देयताएं, उन पर देय व्याज सहित, तुलन पत्र में उचित रूप से वर्णायी गयी हैं और कंपनी अपने जमाकर्ताओं के प्रति देयताओं की राशि की पूर्ति करने की स्थिति में हैं।

14. राष्ट्रीय आवास बैंक को प्रस्तुत की जानेवाली विवरणियाँ

1 (i) पैरागाफ 12 के उपर्योगों पर कोई प्रतिकल प्रभाव जाले जिना, प्रस्तेक आवास वित्त कंपनी राष्ट्रीय आवास बैंक को एक विवरणी प्रस्तुत करेगी, जिसमें इसके साथ संलग्न अनुसूची से विनियिष्ट सूचाना, उक्त अनुसूची से विनियिष्ट तारीख भी स्थिति के संबंध में देती ।

(ii) विवरणी की एक प्रति भास्तीय रिजर्व बैंक को भी साथ-साथ भेजी जायेगी।

2 (i) प्रत्येक आवास वित्त कंपनी, इन निदेशों के प्रारंभ होने की तारीख से अवश्य कारोबार प्रारंभ होने की तारीख से, जो भी बाब में हो, राष्ट्रीय आवास बैंक को एक लिखित विवरण प्रस्तुत करेगी जिसमें निम्नलिखित बाबों हों—

(क) अपने प्रधान अधिकारियों के नाम, और आधिकारिक पदनाम;

(ख) आवास वित्त कंपनी के नियंत्रकों के नाम भीर आवासीय पते; तथा

(ग) आवास वित्त कम्पनी की ओर से उप-पैराग्राफ (1) से वित्त-विष्ट विवरणियों पर हस्ताक्षर करने के लिए प्राधिकृत अधिकारियों के नम्बर हस्ताक्षर।

(ii) इस उप-प्रेरागाक के अंडे (i) में उल्लिखित सूची में कोई परिवर्तन होने पर, ऐसे परिवर्तन होने की सारीक से एक महीने के भीतर उसकी भूलना राष्ट्रीय आवास बैंक को जारीगी।

15. बुलन-बल, विवरणिया आदि राष्ट्रीय भाषासंैक के बंधु स्थान कार्यालय को प्रस्तुत किया जाना।

इन निवेशों के अनुसरण में राष्ट्रीय आवास बैंक को प्रस्तुत या प्रेक्षित करने के लिए अपेक्षित कोई तुलन-पत्र, विवरणी या सूचना राष्ट्रीय आवास बैंक के बंबई स्थित कार्यालय को प्रस्तुत या प्रेक्षित की जायेगी।

16. विश्वापन के बदले में विवरण

(1) यदि कोई कंपनी इस प्रकार की जमाराशि को आमंत्रित किये बिना अधिक किसी अन्य व्यक्ति को ऐसी जमाराशि आमंत्रित करते

की अनुमति दिये बिना अपवा उसके आमंत्रित करताये बिना जमाराशिया स्वीकार करना चाहती हैं, तो वह जमाराशिया स्वीकार करने से पहले बंबई स्थित राष्ट्रीय आवास बैंक के कार्यालय को विज्ञापन के बदले में एक विवरण पंजीकरण के लिए देगी जिससे गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी और विविध गैर-बैंकिंग कंपनी (विज्ञापन) नियम, 1977 के अनुसार विज्ञापन से शामिल करने के लिए अंतिक्षत सभी घाँट दिये गये हों।

(2) उप-पैरा (1) के अन्तर्गत दिया गया विवरण उस वित्तीय वर्ष की समाप्ति की तारीख से छह महीने बीतने तक वैध रहेगा जिस वित्तीय वर्ष में यह दिया गया हो अथवा उस तारीख तक वैध रहेगा जिस तारीख को साधारण बैठक में आवास वित करनी के समक्ष तुलन-पत्र रखा गया हो अथवा जिस सामले में किसी वर्ष के लिए वार्षिक साधारण बैठक नहीं हुई हो तो वह प्रतितम तारीख जिस तारीख तक कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के उपबंधों के अनुसार बैठक की जानी चाहिए थी, इनमें से जो भी पहले हो, और प्रत्येक आगामी वित्तीय वर्ष में उस वित्तीय वर्ष में जमाराशियां स्वीकार करने से पहले नया विवरण प्रस्तुत किया जायेगा ।

17. अंग

राष्ट्रीय आवास बैंक, किसी कठिनाई से बचने के लिए या किसी अन्य उचित और पर्याप्त कारण होने पर, यदि वह ऐसा करना आवश्यक समझे तो किसी आवास वित्त कंपनी या आवास वित्त कंपनियों की श्रेणी को इन नियों के सभी उपबंधों या किसी उपबंध के अनुपालन के संबंध में या तो सामान्य रूप में या किसी विनियिष्ट अवधि के लिए समय अवृ सकता है या छठे बं सकता है जो राष्ट्रीय आवास बैंक द्वारा निर्धारित शर्तों के अधीन होगी ।

18 गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (जिवं बैंक) निवेश, 1966 प्रीर
1977 के उल्लंघन के लिए की गयी या की जानेवाली कार्रवाई की व्याख्या

एतद्वारा यह स्पष्ट किया जाता है कि गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (रिजर्व बैंक) निवेश, 1966 और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (रिजर्व बैंक) निवेश, 1977, समय-समय पर यथा संशोधित, का अधिकमण निम्नलिखित को प्रभावित नहीं करेगा—

(i) उसके अंतर्गत प्राप्त, प्रोद्भूत या उत्पन्न कोई अधिकार, दार्यात्मक अधिकार देयता :

(ii) उसके भौतिक किम्ये गये किसी उल्लंघन के संबंध में दी जाने वाली शास्त्री जज्बी या दंड़;

(iii) पूर्वोक्त रूप से किसी ऐसे अधिकार, विशेषाधिकार, वायिस्स, देप्सा, शास्ति, जट्टी या दंड के संबंध में कोई जांच, कानूनी कार्रवाई या उपचार।

क्षया ऐसी कोई जोख, बानूनी कार्रवाई या उपचार को शुरू किया जाये, जारी रखा जाये या प्रवर्तित किया जाये और ऐसी किसी शास्ति, जब्तो या दंड इस प्रकार किया जाये मानो कि उन नियंत्रण का अधिक्रमण स किया गया हो।

राष्ट्रीय आवास बैंक

बम्बई

अनुसूची एचएफसी० डीआईआर-1

(कृपया दिनांक 26 जून, 1989 की अधिसूचना सं० एनएचबी० एचएफसी० डीआईआर-1/सीएमडी-89
का पैरा 14 देखें)

(सभी आवास वित्त कंपनियों द्वारा भरा जाए)

31 मार्च 19..... की स्थिति के अनुसार विवरणी

(कृपया पृष्ठ सं० 3 पर अनुदेश सं० 1 देखें)

1. कंपनी का नाम : कंपनी कूट@

2. पूरा पता

(i) पंजीकृत कार्यालय :
पिन कोड
फोन सं०(ii) प्रधान/प्रशासनिक कार्यालय* :
पिन कोड
फोन सं०3. क्या सरकारी कंपनी है हाँ नहीं 4. राज्य/संघशासित क्षेत्र जिसमें कंपनी
पंजीकृत है कूट@

नाम (विवरण)

5. स्थिति (i) पब्लिक लिमिटेड (ii) प्राइवेट लिमिटेड (iii) विदेशी कंपनी की शाखा

दि दि मा मा व व व व

दि दि मा मा व व व व व

दि दि मा मा व व व व व

 7. कारोबार का स्वरूप : कूट@

8. शाखाओं/कार्यालयों की संख्या :

9. कर्मचारियों की कुल संख्या :

10. कंपनी एक नियंत्रक कंपनी है अथवा महायक कंपनी है\$
11. कंपनी के लेखा परीक्षकों का/के नाम तथा पता(पते)
12. कंपनी के बैंकरों का/के नाम और पता (पते)

④@राष्ट्रीय आवास बैंक द्वारा नियत किया जाएगा।

*यदि यह स्थान पंजीकृत कार्यालय के अलावा कोई और स्थान है तो इसमें भरें।

+जो लागू हो उस खाते में √ चिन्ह लगायें।

कंपनी की शाखाएँ/कार्यालय जहाँ स्थित हैं, उन स्थानों के नाम और पते दर्शनि वाली सूची संलग्न की जाएँ।

ईमें पूर्णकालिक, अंगकालिक के अलावा अवैतनिक आधार पर काम करने वाले व्यक्तियों को शामिल किया जाए।

\$यदि वह महायक कंपनी हो तो नियंत्रक कंपनी का नाम दर्शाया जाए।

विवरणी भरने आगे प्रभृत करने में वंची अनुदेश

1. यह विवरणी दिनांक 26 जून 1989 को अधिसूचना सं० एनएचबी० एनएफसी० ईआइआर-1/सौगमडी-89 के अन्तर्गत आने वाली आवास वित्त कंपनी द्वारा पूर्वोक्त अधिसूचना के वैग 14 में यथाविनियिट स्पष्ट में, मंवधिन कंपनी के विभीय वर्षों की समाप्ति की तारीख पर विचार किये बिना, 31 मार्च की स्थिति के अनुमार संकलित करके बम्बई में ग्राहीय आवास बैंक के कार्यालय को वर्ष में एक बार 30 जून से पहले प्रस्तुत की जाए। विवरणी की एक प्राप्त संयुक्त मुख्य अधिकारी, वित्तीय कंपनी विभाग, कंपनी कार्यालय कक्ष, भारतीय रिसर्च बैंक, बम्बई को भेजी जाए।

2. वार्षिक लेखों की नेत्रा-परीक्षा पूर्ण करने/समाप्त करने जैसे किन्तु कारणों की जगह से विवरणी प्रस्तुत करने में विवरणी नहीं किया जाना चाहिए। विवरणी का समेकन कानों की लेखा बहियों से उपलब्ध आवाजों के आधार पर किया जाना चाहिए।

3. खातों की संख्या वास्तविक आकड़ों में देनी चाहिए जबकि जमाराशियों की राशि हजार रुपयों में दर्शाई जाए। राशि निकटमम हजार में पूर्णांकित की जानी चाहिए। उदाहरण के तौर पर 4,560 रुपये की राशि 4.6 अथवा 5000 न दर्शकर 5 के स्पष्ट में दर्शाई जाए। इसी तरह, 61,495 रुपये की राशि 61.4 अथवा 61000 न दर्शकर 61 के स्पष्ट में दर्शाई जाए।

4. विवरणी के भाग 1 की मद गं० 7 के अन्तर्गत विविध शीर्षों के सामने जमाराशियों का वर्गीकरण अधिक के अनुमार करना चाहिए। यह वर्गीकरण 31 मार्च ने अर्थात् विवरणी की प्रारिक्षा से उगाढ़ी बच्ची हुई अधिक के अनुमार नहीं, बहिक जिस अधिक के लिए उन्हें मूल स्पष्ट में प्राप्त किया गया/उनका अनिम बार नवीकरण किया गया, उस अधिक के अनुगार होना चाहिए।

5. भाग 3 की मद 1 के अन्तर्गत उल्लिखित नियंत्रण प्रारक्षित नियियों में शेयर प्रीमियम खाते की शेयर राशि, पूंजी और डिवेंचर

शोधन प्रारक्षित नियंत्रण तथा तुलन पत्र में दर्शाई और प्रकाशित ऐसी कोई अन्य प्रारक्षित नियियों शामिल की जाये जिनका सूजन लाभों का विनियोजन करके किया गया हो, लेकिन जो निम्नलिखित प्रकार की न हो :

- (i) ऐसी प्रारक्षित नियियों जिसका सूजन किसी भावों देयता की चुकौती करने के लिए अथवा आस्तियों में मूल्यहास्य के लिए अथवा अशोध्य शृणों के लिए किया गया हो अथवा
- (ii) ऐसी प्रारक्षित नियियों जिसका सूजन कंपनी की आस्तियों के पुनर्मूल्यन करके किया गया हो।

6. 26 जून 1989 की अधिसूचना सं० एनएचबी० एनएफसी० ईआइआर-1/सौगमडी-89 के वैग्राफ 14 द्वारा अंगेंशित प्रमुख अधिकारियों के नामों और पदनामों के साथ ही कंपनी के निदेशकों के नाम और पतों की एक सूची यदि अब तक राष्ट्रीय आवास बैंक को न भेजी गयी हो तो उस संलग्न करें और यदि सूची में कोई परिवर्तन हुआ हो तो राष्ट्रीय आवास बैंक के उस कार्यालय को उसकी सूचना दे जहाँ वह विवरणी प्रस्तुत की जा रही है।

7. विवरणी पर प्रबन्धक (कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 2 में यथापरिभायित) के हस्ताक्षर होने चाहिए और यदि प्रबन्धक न हो तो प्रबंध निदेशक द्वारा या निदेशक बोर्ड द्वारा विधिवत् प्राधिकृत कंपनी के किसी अधिकारी द्वारा हस्ताक्षर किये जाने चाहिए, जिसके नमूना हस्ताक्षर राष्ट्रीय आवास बैंक को इस प्रयोजन के लिए प्रस्तुत किये गये हों। यदि नमूना हस्ताक्षर निर्धारित कार्ड में प्रस्तुत नहीं किये गये हों तो विवरणी पर प्राधिकृत व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षर किये जायें और उसके नमूना हस्ताक्षर अलग से भेजे जायें।

8. यदि विवरणी के किसी भाग में कुछ भी सूचना न दी जानी हो तो वहाँ “कुछ नहीं” लिखा जाए तथा प्रबन्धक/प्रबंध निदेशक/प्राधिकृत अधिकारी का विधिवत् हस्ताक्षरित प्रमाणपत्र विवरण के साथ संलग्न करना चाहिए।

भाग-1

31 मार्च, 19— की स्थिति के अनुसार बकाया जमाराशियों के और

(राशि हजार रुपयों में)

मद सं०	विवरण	मद कूट	खातों की संख्या	राशि
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	मैर-जमानती डिवेचर (नीचे दी गयी टिप्पणी (1) के अनुसार परिवर्तनीय या अमानती डिवेचरों के अलावा)		111	
2.	अधिक कमनी द्वारा अपने शेयरधारकों से प्राप्त जमाराशियां [नीचे दी गयी टिप्पणी (2) के अनुसार] ।		112	
3.	निवेशकों द्वारा उनकी विजी हैसियत ; भारंटीकृत जमाराशियां		113	
4.	कुल (1+2+3)		110	
5.	कोई जन्य जमाराशियां [नीचे दी गयी टिप्पणी (3) के अनुसार]		120	
6.	कुल (4+5)		130	
7.	उपर्युक्त मद 6 की कुल जमाराशियों में से निम्नालिखित इस प्रकार हैं :			
(i)	मांग पर अथवा नोटिस पर अथवा 6 महीने से कम में देय*		141	
(ii)	6 महीनों की या उससे अधिक परंतु 12 महीनों से कम अवधि के लिए*		142	
(iii)	12 महीनों की या उससे अधिक परंतु 24 महीनों से कम अवधि के लिए*		143	
(iv)	24 महीनों को या उससे अधिक परंतु 48 महीनों से कम अवधि के लिए		144	
(v)	48 महीनों की अथवा उससे अधिक परंतु 60 महीनों से कम अवधि के लिए		145	
(vi)	60 महीनों की अवधि के लिए		146	
(vii)	60 महीनों से अधिक परंतु 84 महीनों से कम की अवधि के लिए		147	
(viii)	84 महीनों की अवधि के लिए		148	
(ix)	84 महीनों से अधिक की अवधि के लिए*		149	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
-----	-----	-----	-----	-----

8. कुल [7 (i) से (ix) तक का जोड़ उपर्युक्त मद 6 के साथ मेल खानी चाहिए]	140
9. उपर्युक्त मद 6 की कुल जमाराशियों में से व्याज राहत और व्याज वाली जमाराशियां (ब्लाली को छोड़कर, यदि कोई हो सो)£ (व्याज वर : वार्षिक प्रतिशत)	
(i) व्याज रहित*	151
(ii) 6 प्रतिशत से कम	152
(iii) 6 प्रतिशत या उससे अधिक परतु 9 प्रतिशत से कम	153
(iv) 9 प्रतिशत या उससे अधिक परतु 11 प्रतिशत से कम	154
(v) 11 प्रतिशत या उससे अधिक परतु 13 प्रतिशत से कम	155
(vi) 13 प्रतिशत या उससे अधिक परतु 14 प्रतिशत से कम	156
(vii) 14 प्रतिशत पर	157.
(viii) 14 प्रतिशत से अधिक*	158
10. कुल [9 (i) से (viii) तक का जोड़ उपर्युक्त मद 6 के साथ मेल खानी चाहिए]	150
11. उपर्युक्त मद 6 की जमाराशियों का जमाराशियों के आकार के अनुसार वर्गीकरण) नीचे दी गयी टिप्पणी 4 भी देखें)	
(i) रु० 5,000 तक	161
(ii) रु० 5,001 से रु० 10,000 तक	162
(iii) रु० 10,001 से रु० 25,000 तक	163
(iv) रु० 25,001 से रु० 50,000 तक	164
(v) रु० 50,001 से रु० 1,00,000 तक	165
(vi) रु० 1,00,000 से अधिक*	166

1

2

3

4

5

12.	उपर्युक्त मद 6 की कुल जमाराशियों में से (नीचे दी गयी टिप्पणी 5 भी देखें)	
(i)	जिनकी अवधि पूर्ण हो चुकी है परन्तु दावा नहीं किया गया है	171
(ii)	जिनकी अवधि पूर्ण हो चुकी है और दावा किया गया है परन्तु चुकौती नहीं की गयी है	172
13.	उपर्युक्त मद 4 में दर्शित प्रकार की जमाराशियों में से	
(i)	वर्ष के दौरान स्वीकार की गयी/नवीकृत जमाराशियां	181
(ii)	भुगतान द्वारा चुकायी गयी या वर्ष के दौरान नवीकृत जमाराशियां	182
14.	उपर्युक्त मद 5 में दर्शित प्रकार की जमाराशियों में से	
(i)	वर्ष के दौरान स्वीकार की गयी/नवीकृत जमाराशियां	191
(ii)	भुगतान द्वारा चुकायी गयी या वर्ष के दौरान नवीकृत जमाराशियां	192
15.	उपर्युक्त मद 6 की कुल जमाराशियों में से, अनिवासी भागतायों से प्राप्त जमाराशियां	193

£ विवरणी के इस भाग के माथ एक विवरण भी प्रस्तुत किया जाना चाहिए जिसमें जमाराशियों का अवधियों अर्थात् 24 महानों, 36 महानों से अधिक आदि के अनुमार जमाराशियों के प्रकारों पर प्रस्तुतित व्याज दरों तथा अदा की गयी दलाली की दरों का भी उल्लेख हो।

*बाहरे अन्य से प्रस्तुत किये जाएं।

टिप्पणी : (1) मद 1 के संबंध में

जिन डिबेंचरों का कुछ भाग परिवर्तनीय और कुछ भाग अपरिवर्तनीय हो, उनके अपरिवर्तनीय अंश से संबंधित राशि इस मद में समिल की जानी चाहिए और परिवर्तनीय भाग को भाग-2 की मद संख्या 10 में दिखाया जाना चाहिए।

(2) मद 2 के संबंध में

यदि कंपनी सार्वजनिक कंपनी है और भाग-2 की टिप्पणी (1) में विनिर्दिष्ट किये गये अनुमार इसके निवेशकों से घोषणा प्राप्त नहीं की गयी है तो ऐसी जमाराशियों को इस मद में दिखाया जाना चाहिए।

(3) मद 5 के सम्बन्ध में

यदि कंपनी निजी कंपनी है और भाग-2 की टिप्पणी (1) में विनिर्दिष्ट किये गये अनुमार घोषणा प्राप्त नहीं की गयी है तो ऐसी जमाराशियों को इस मद में दिखाया जाना चाहिए।

(4) मद 11 के संबंध में

(i) खातों की संख्या और राशियों की गणना जमाराशियों की प्रत्येक श्रेणी के संबंध में की जानी चाहिए।
(ii) जोड़ विवरणी के भाग-1 की मद सं० 6 में दिखाये गये जोड़ से मेल खाने चाहिए।

(5) मद 12 के संबंध में

यदि चुकायी न गयी कुल जमाराशियां 5 लाख रुपये से अधिक हों तो प्रत्वेक जमाराशि न चुकाये जाने के कारण और चुकौती के लिए किये गये उपायों को एक अनुबंध में दर्शाया जाना चाहिए।

(6) भाग-2 में दिखायी गयी राशियों को भाग-1 में सम्मिलित नहीं किया जाना चाहिए।

भाग-2

छोट प्राप्त उधारों आदि के ब्यौरे, जिनकी गणना जमाराशियों के रूप में नहीं की जानी है

(दिनांक 26 जून 1989 की अधमूचना में० एनएचबी एचाफ्सी डीआइआर-1/सीएमडी-89 का
पैदायाक 3 और 4 देखें)

31 मार्च 19 की स्थिति के
अनुसार

मद सं०	ब्यौरे	मद कूट	खातों की संख्या	राशि (हजार रुपयों में)
1	2	3	4	5
1.	केन्द्रीय अथवा राज्य सरकार(रों) से प्राप्त धन, जिसकी चुकौती केन्द्रीय अथवा राज्य सरकार(रों) द्वारा प्रत्यभूत है अथवा किसी स्थानीय प्राधिकरण से प्राप्त धन		201	
2.	किसी विदेशी सरकार अथवा किसी अन्य प्राधिकरण से प्राप्त धन (नीचे दी गयी टिप्पणी 3 भी देखें)		202	
3.	राष्ट्रीय आवास बैंक से लिये गये उधार		203	
4.	बैंकों तथा अन्य विनिर्दिष्ट वित्तीय संस्थाओं से लिये गये उधार		204	
5.	किसी अन्य कंपनी से प्राप्त धन		205	
6.	निदेशकों से प्राप्त धन [नीचे दी गयी टिप्पणी (1) देखें]		206	
7.	किसी निजी कंपनी द्वारा शेयरधारकों से प्राप्त धन [नीचे दी गयी टिप्पणी (1) और (2) देखें]		207	
8.	कंपनी के कर्मचारियों से जमानत की राशि के रूप में प्राप्त धन		208	
9.	कम्पना के कारोबार के मिलमिले में क्रय, विक्रय और अन्य एजेंटों से जमानत अथवा अग्रिम के रूप में प्राप्त धन अथवा माल की आपूर्ति के आईरों अथवा सम्पत्तियों अथवा प्रदान की गयी सेवाओं के संबंध में अग्रिम के रूप में प्राप्त धन		209	
10.	अचल सम्पत्तियों के बधक द्वारा रक्षित डिबेचरों अथवा परिवर्तनीय डिबेचरों के निर्गम से प्राप्त धन [भाग 1 की मद स० (1) भी देखें]।		210	
11.	ऐसे शेयरों अथवा जमानती डिबेचरों में अभिदान के रूप में प्राप्त कोई धन जिनका आवंटन वाकी हो अथवा कम्पनी के अन्तर्नियमों के अनुसार शेयरों के संबंध में अग्रिम मांग के रूप में प्राप्त कोई धन, जब तक कि कम्पनी के अन्तर्नियमों के अधीन शेयरधारकों को ऐसी धन की वापसी अदायगी न की जानी हो		211	

1	2	3	4	5
12. न्यास के रूप में प्राप्त धन या मार्गस्थ धन		212		
13. कुल (1 से 12)*		200		

*मंद कूट 200 में दिये जाने वाले आंकड़े मंद कूट 201 से 212 तक के आंकड़ों को जोड़कर प्राप्त किये जायें।

टिप्पणी: (1) इन मंदों में केवल ऐसा धन दिखाया जाना चाहिए जो उन व्यक्तियों से प्राप्त हुआ हो जिन्होंने लिखित रूप में यह धोषणा की हो कि उस व्यक्ति/उन व्यक्तियों ने उसमा धन किसी अन्य व्यक्ति से उधार लेकर अथवा जागी राशि स्वीकार करके अर्जित की गयी निधियों में से नहीं दिया है। अन्यथा, इसे भाग 1 की मंद सं० 2 अंक्षा 5 में, जैसी भी स्थिति हो, दिखाया जाना चाहिए जैसा कि भाग 1 की टिप्पणी (2) और (3) में दर्शाया गया है।

(2) कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 43आ के अधीन सार्वजनिक कम्पनी के रूप में मानी गयी किसी निजी कम्पनी के शेयरधारकों से प्राप्तधन को भी उपर्युक्त टिप्पणी (1) में उल्लिखित धोषणा प्राप्त किये जाने पर, इस मंद में शामिल किया जाना चाहिए।

(3) मंद 2 में दिये गये आंकड़ों का अलग-अलग विवरण निम्नलिखित रूप में दिया जायेः

विदेशी एजेंसी	मंद कूट	खातों के नाम	राशि (हजार रुपयों में)
(अ) विदेशी सरकार	221		
(ब) विदेशी प्राधिकरण	222		
(क) अनिवासी भारतीय	223		

भाग-3
“शुद्ध स्वाधिकृत निधियां” दर्शाने वाला विवरण

मंद सं०	व्यापे	मंद कूट	राशि (हजार रुपयों में)
1	2	3	4
1. शुद्ध स्वाधिकृत निधियां (विवरणी की पूर्ववर्ती तारीख स्थिति के अनुसार अंतिम लेखा परीक्षित तुलन-पत्र के अनुसार आंकड़े प्रस्तुत किये जायें—तुलन-पत्र दिनांक.....)			
(i) चुकता पूँजी		311	
(ii) निवंध प्राप्तक्षित निधियां*		312	
कुल (i+ii)		310	
2. (i) धाटे की संचित शेष राशि		321	
(ii) आस्थगित राजस्व व्यय को शेष राशि		322	
(iii) अन्य अमूर्त आस्तियां (कृपया बतायें)		323	
कुल (i*+ii+iii*)		320	
शुद्ध स्वाधिकृत निधियां (1--2)		300	

*कृपया विवरणी भरने के लिए अनुदेशों की मंद-5 देखें।

भाग-4

बकाया ऋण और अग्रिम दशनी वाला विवरण

31 मार्च 19..... को

मद सं०	पार्टी का नाम	मद कूट	राशि (हजार रुपयों में)
1	2	3	4
1.	एक ही समूह की कंपनियां [कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 372 (11) में यथा परिभाषित]		
(क)			
(ख)			
(ग)			
(घ)			
आदि			
	(कृपया अलग-अलग कंपनियों के नाम और उनसे प्राप्य राशियों का उल्लेख करें)		
		कुल	410
2.	अन्य		
(क)	कंपनियां जो एक ही समूह की नहीं हैं	421	
(ख)	निवेशक	422	
(ग)	गेयरधारक	423	
(घ)	मुख्य कार्यपालक अधिकारी और अन्य कर्मचारी	424	
(ङ)	क्रय, विक्रय और अन्य एजेंट	425	
(च)	अन्य	426	
	कुल	420	
3.	कुल जोड़ (1+2)		400

टिप्पणी : (1) विविध देनदारों, अग्रिम रूप में अदा किये गये करों और अन्य वसूल करने योग्य मदों, जो ऋण और अग्रिम के स्वरूप की नहीं हैं, को इस विवरण में न दर्शाया जाए।

(2) अन्य कंपनियों के पास साधित जमा राशियां यथास्थिति मद 1 या मद 2(क) के अंतर्गत शामिल की जाएं, न कि भाग 5 में।

भाग-4, 1

“अन्य” को दिये गये ऋण और अग्रिम दण्डनि वाला विवरण

(भाग 4 का 426)

ग्रावास अद्यता की श्रेणी/ आकार (८०)	मद कूट	मंवितरण उनमें से निम्नलिखित को सं० राशि	वर्ष के दौरान चुकायी गयी राशि अन० जौ०	31 मार्च '८० को बकाया राशि राशि अन० जून०
1	2	3	4	5
6	7	8	9	10

नये आवासों के अर्जन/निर्माण के लिए

20,000 रुपये 451

20,000 से अधिक 452
और 50,000 तक

50,000 से अधिक 453
और 1,00,000 तक

1,00,000 से अधिक
और 3,00,000 तक 454

उप-जोड़ 450

2.2.2.2.2. \overline{TT}

20,000 से अधिक 462
और 30,000 तक

30,000 से अधिक 463

उप-ओड 460

कल जोड़ 470

$$(450 + 460)$$

भाग-5

निवेश दर्शनि वाला विवरण

31 मार्च 19..... को

मद सं०	ब्लौरे	मद कूट	राशि (हजार रुपयों में)
(1)	(2)	(3)	(4)

1. एक ही समूह की कंपनियों के शेयर और डिवेंचर (जैसा कि कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 372 (11) में परिभाषित है)

(क)
 (ख)
 (ग)
 (घ)

आदि

(कृपया अलग-अलग कंपनियों के नाम और उनमें निवेश की गयी राशियों का उल्लेख करें)

कुल 510

2. ऐसी कंपनियों के शेयर और डिवेंचर जो एक ही समूह की नहीं हैं

(क)
 (ख)
 (ग)
 (घ)

आदि

(कृपया उल्लेख करें)

कुल 520

3. अन्य निवेश (जैसे सरकारी और अन्य न्यासी प्रतिभूतियों में किये गये निवेश, बैंकों के पास आवधि जमाराशियों, भारतीय यूनिट फ्रूस्ट के यूनिटों में किये गये निवेश)

(क)
 (ख)
 (ग)

(1)

(2)

(3)

(4)

(घ)

प्रादि

(कृपया उल्लेख करें)

कुल 530

4. कुल जोड़ (1+2+3)

500

टिप्पणी : इस भाग में शेयरों और डिक्वेचरों, चाहे वे निवेश खाते में या व्यापार स्टाक के रूप में धारित हों, के ब्यौरे शामिल किये जाने चाहिए।

भाग—6

जमारारणियों और अनिवार्य अस्तियों अपरिवृत्त नीचे दी गई मद सं० 1 और 2 से संबंधित श्वैरों में प्रत्येक महीने के अन्त के आकड़े दिए जाने चाहिए जो वर्ष के 31 मार्च को समाप्त होने वाले उन बारह महीनों की अवधि के लिए हों जिसके मंदर्भ में विवरणी प्रस्तुत की जाये।

(राशियां हजार रुपयों में)

मद सं०	श्वैरे	गत वर्ष												चालू वर्ष		
		अप्रैल						अगस्त						मिन०		
		601	602	603	604	605	606	607	608	609	610	611	612	जन०	फर०	मार्च
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14			

1. भाग 1 की मद सं० 6 से दर्शायी गई

जमारारणियां

2. अनिवार्य अस्तियां*

(क) अनुसूचित शैकों में जालू खाते अथवा किसी अन्य जमारारण खाते से शेष जो किसी प्रकार के प्रभार अथवा पुनर्वृह्णाधिकार से मुक्त हों।

(ख) केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार (१), की भार रहित प्रतिभूतियों में या अन्य भार रहित प्रतिभूतियों में निवेश जिनसे किसी न्यासी को न्यास धन के निवेश करने का अधिकार है।

3. 1 से 2 का अनुपात

*कृपया दिनांक 26 जून, 1989 की अधिसूचना सं० एन० एच० बी० एच० एफ० सी० बी० आई० आर०-१/सी० एमडी०-८९ का परा 11 देखें।

टिप्पणी : 1. महीने के नीचे तीन अंकों की जो संख्या दर्शायी गई है वह मद की कूट संख्या है।

2. नूक के कारण, यदि कोई हो तो, दिए जाएं।

प्रमाण पत्र

*प्रबंधक/प्रबंध निदेशक/
प्राधिकृत अधिकारी का
प्रमाण पत्र :

(1) प्रमाणित किया जाता है कि दिनांक 26 जून 1989 की अधिसूचना सं० एन एच एफ सी डी आइ आर-1/ सी एम डी-89 के पैराग्राफ 3(V) के परंतुक के अनुसार यथा अपेक्षित इस आशय की घोषणाएं निदेशकों और/अथवा गोयनधारकों से लिखित रूप में प्राप्त नहीं गयी हैं कि उन्होंने कंपनी को धन, अन्य अविकल्पों से उधार लेतेर अथवा जमाराशियां स्वीकार देके अंजित की गयी निधियों में से नहीं दिया है।

(2) प्रमाणित किया जाता है कि जमाराशियां दिनांक 26 जून 1989 की अधिसूचना सं० एन एच एफ सी० डी आइ आर-1/सी एम डी-89 के पैराग्राफ 4 में निर्धारित रूप में स्वीकार, नवीकृत अथवा परिवर्तित कर गयी हैं।

(3) प्रमाणित किया जाता है कि कंपनी ने दिनांक 26 जून 1989 की अधिसूचना सं० एन एच बी०ए एफ सी० डी आइ आर-1/सी एम डी-89 के पैराग्राफ 5, 6, 9 और 10 की अपेक्षाओं का अनुपालन किया है।

(4) प्रमाणित किया जाता है कि जमाराशियों के रजिस्टर, दिनांक 26 जून 1989 की अधिसूचना सं० एन एच बी०ए एफ सी० डी आइ आर-1/सी एम डी-89 के पैराग्राफ 7 में निर्दिष्ट तरीके से रखे जा रहे हैं।

(5) प्रमाणित किया जाता है कि विवरणी में प्रस्तुत विवरण/सूचना का सत्यापन कर लिया गया है और उसे सभी प्रकार में सही और पूर्ण पाया गया है।

(जो भी प्रमाण पत्र लागू न हो उसे काट दें)

*प्रबंधक/प्रबंध निदेशक/
प्राधिकृत अधिकारी के हस्ताक्षर
नाम :
पदनाम :

विवरणी के अनुलग्नक :

निम्नलिखित दस्तावेज, यदि पहले ही न भेजे जा चुके हों, विवरणी के साथ प्रस्तुत किये जाने चाहिए। कृपया संलग्न किये गये दस्तावेज के सिए भद्र के मामले दिये गये खाते में सही का निशान लगायें और अन्य मामलों में उनके प्रस्तुत किये जाने की तारीख का उल्लेख करें।

(1) लेखा-परीक्षित तुलन-पत्र और लाभ-हानि लेखे की एक प्रति, जो इस विवरणी की तारीख की निकटतम तारीख से संबंधित हो।

(2) नमूना हस्ताक्षर कार्ड (कृपया अनुदेश सं० 7 देखें)

(3) दिनांक 26 जून 1989 की अधिसूचना सं० एन एच बी०ए एफ सी० डी आइ आर-1/सी एम डी-89 के पैराग्राफ 5 में उल्लिखित आवेदन पत्र की एक प्रति

(4) प्रमुख अधिकारियों की ओर निवेशकों के नामों और पतों की सूची (कृपया अनुदेश सं० 6 देखें)

*जो भी लागू न हो, उसे काट दें।

RESERVE BANK OF INDIA

CENTRAL OFFICE

URBAN BANKS DEPARTMENT

"THE ARCADE" WORLD TRADE CENTRE

Bombay-400005, the 18th July 1989

Society has ceased to be a cooperative bank within the meaning of the said Act.

Name of the Society

Municipal Corporation of Delhi Employees Cooperative Thrift and Credit Society Ltd., Room No. 3, Kacha Bagh Town Hall Chandni Chowk Delhi-6.

State

Delhi

No. UBD. BR. 98/A.18-89/90.—In pursuance of Sub-Section (2) of Section 36A read with Clause (Za) of Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949, the Reserve Bank of India hereby notifies that the following Salary Earners

P. B. MATHUR
Joint Chief Officer

PUBLIC DEBT OFFICE

New Delhi the 12th August 1989

Industrial Finance Corporation of India Bonds

In pursuance of Regulation 10 of the Industrial Finance Corporation (Issue & Management of Bonds) Regulations 1949, the following list for the half-year ended 30th June, 1989 is hereby advertised of the Industrial Finance Corporation of India Bonds lost etc. in respect of which prima-facie grounds exist for believing that the securities have been lost and that the claim of the applicants is just. All Persons other than the respective claimants named below who have any claim upon these bonds should communicate immediately with the Manager, Reserve Bank of India, Public Debt Office New Delhi.

2. The list is divided into two parts, part 'A' the list of securities advertised for the first time and part 'B' the list of securities previously advertised.

PART 'A'

No. of the Security	Value in Rs.	In whose name issued	From what date bearing interest	Name/s of the Claimant/s for issue of duplicate/s or payment of discharge value	No. & date of order issued.
NIL					

PART 'B'

No. of the Security	Value in Rs.	In whose Name issued	From what date bearing interest	Name/s of the claimant(s) for issue of duplicate(s)/ payment of discharge value.	No. & Date of order passed	Date of publication of the list in which the security was first published
---------------------	--------------	----------------------	---------------------------------	--	----------------------------	---

6.25% Industrial Finance Corporation of India Bonds 1988 (2nd Series)

DH-000241	10,000/-	Vinod Kumar & Co.	14-6-80	Trustees, Sumitomo Indian Staff Provident Fund.	IFC/LN-2 dated 3-2-87	8-8-87
-----------	----------	-------------------	---------	---	-----------------------	--------

B. M. L. SEHGAL,
Joint Manager.

Bangalore, 28th February 1989

LIST OF LOST ETC. OF INDUSTRIAL FINANCE CORPORATION OF INDIA BONDS
FOR THE HALF YEAR ENDED 30TH JUNE 1989

PART A—NIL

PART B

6% Industrial Finance Corporation of India Bonds 1988 (II Series) :—

No. of Security	Value in Rs.	In Whose name issued	From What date bearing int.	Name(s) of Claimant(s) for issue of duplicate and/or payment of discharge value	No. of and date of orders issued	Date of publication list in which the security was first published
BL 000092	Rs. 50,000/-	The Karnataka Industrial Co-operative Bank Limited	29-10-84	The Karnataka Industrial Co-operative Bank Ltd.	CO. 69 A dated 27-9-88	12-11-88
BL 000093	Rs. 53,000/-	Do.	Do.	Do.	Do.	Do.

EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION

New Delhi, the 1st August 1989

No. N-15/13/13/3/84-P&D.—In pursuance of powers conferred by Section 46(2) of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), read with Regulation 95-A of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the Director General has fixed the 16-7-1989 as the date from which the medical benefits as laid down in the said Regulation 95-A and the U.P. Employees' State Insurance (Medical Benefit) Rules, 1954 shall be extended to the families of insured persons in the following area in the State of U.P. namely :—

"Existing area of Municipal limits/Cantt. limits of Shahajahanpur and revenue villages of Ransor, Chandhera, Ghuraria, Misripur, Ahmedpur, Nyazpur Villages in which the Industrial Estate of Roza fall i.e. (Vallia) Hathura, Buzraig at Sabia, Jamupin Karaunda, Marha, Lalpur, Janoot, Akra-Rasulpur, Akri Rasulpur "Apt-saliya in Tehsil sadar Shahjanpur of Pargana and Distt. Shahajahanpur.

Sd/- ILLEGIBLE
Director (PLG. & DEV.)

REGIONAL OFFICE ORISSA

Bhubaneswar-751007, the 26th April 1989

Sub : Re-constitution of Local Committee, Hirakud area, Hirakud.

No. 44-V.34/12/13/82-Cordn.—It is hereby notified that the Local Committee set up under Regulation 10-A of E.S.I. (general) Regulations, 1950 for the areas within the jurisdiction of Hirakud in the State of Orissa has been re-constituted with the following officials and persons as Chairman and members.

- Under Regulation 10 (A)(i)(a) :
The Deputy Labour Commissioner, Sambalpur Chairman.
- Under Regulation 10(A)(i)(a) :
The District Labour Officer, Sambalpur Memb
- Under Regulation 10(A)(i)(a) :
The IMO 1/c ESI Dispensary, Hirakud
- Under Regulation 10 (A)(i)(a) :
(Employers Representative) : Do.

- Shri Ashok Kumar Patra,
Personnel Officer, Almunium Industries,
Hirakud.
- Shri Krishna Narayan, Manager (Personne
Hirakud Industries Works, Hirakud.
- Shri Rabinarayan Mohapatra, Medical
Officer, Indian Almunium Company,
Hirakud.

- Under Regulation 10(A)(i)(e) :
(Employers' Representative) :
1. Shri Laxmikanta Das, Turner,
Hirakud Industrial Works, Hirakud.
- Shri Krishna Chandra Biswal, Lab.
Attendant Indian Almunium Co, Hirakud
- Shri Kamal Kumar Roth, Security Guard,
Almunium Industries Hirakud.
- Under Regulation 10(A)(i)(f) :
The Manager, Local Office, ESIC, Hirakud.

Member
and ex-
officio
Secretary.

The Re-constitution takes effect from the date of its notification.

4-199 GI/89

The 27th April 1989

Sub : Re-constitution of Local Committee.

No. 44-V.34/12/6/82-Cordn.—It is hereby notified that the Local Committee, Choudwar set up under Regulation 10-A of the ESI (general) Regulation 1950 has been re-constituted consisting of the following members with effect from the date of the issue of this notification.

Chairman

- Under Regulation 10(A)(i)(a) :
Deputy Labour Commissioner, Cuttack.

Members

- Under Regulation 10-A(i)(b) :
District Labour Officer, Cuttack.
- Under Regulation 10-A(i)(c) :
Superintendent, ESI Hospital, Choudwar.
- Under Regulation 10-A(i)(d) :
Employers' Representatives.
- Sri R. K. Panda, A.L.W.O., Personnel
Department of M/s. O. T. M. Ltd., Choudwar.
- Sri S. Mohapatra, Senior Personnel
Department of T.P.M. No. 3 Mill, Choudwar.
- Under Regulation 10-A(i)(e) :
Employers' Representatives.
- Sri Kailash Chandra Nayak, An employee of
Orissa Textile Mills, Choudwar, on behalf of the
Jatiya Sramajibi Congress, Choudwar.
- Sri Balabhadra Nayak, on behalf of the Mazdoor
Sangha, T.P.M. No. 3, Daulatabad, Cuttack.

Ex-Officio Member-Secretary

- Under Regulation 10-A(i)(f) :
The Manager, Local Office, E.S.I.
Corporation, Choudwar.

VIJAY KUMBHARE
Regional Director

MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(DEPARTMENT OF POSTS)

New Delhi-1, the 20th July 1989

NOTICES

No. 25-18/89-LI.—P.L.I. Policies particularised below having been lost from the Departmental custody, notice is hereby given that the payment thereof has been stopped. The Director, Postal Life Insurance, Calcutta, has been authorised to issue duplicate policies in favour of the insurants. The public are hereby cautioned against dealing with original policies :—

Sl. No.	Policy No. & date	Name of Insurant	Amount (Rs.)
1.	168571-C EA/55 Dated 28-7-76	Shri I.S. Gurung	15,000

The 24th July 1989

No. 25-15/89-LI.—P.L.I. Policies particularised below having been lost from the Departmental custody, notice is hereby given that the payment thereof has been stopped. The Director, Postal Life Insurance, Calcutta has been authorised to issue duplicate policies in favour of the in-

surants. The public are hereby cautioned against dealing with the original policies :—

Sl. Policy No & Date No.	Name of Insurant	Amount (Rs.)
1. 383589-P EA/58	Shri Nathu Ram Khosla	5,000

No. 25-7/89-LI.—P.L.I. Policies particularised below having been lost from the Departmental custody, notice is hereby given that the payment thereof has been stopped. The Director, Postal Life Insurance, Calcutta, has been authorised to issue duplicate policies in favour of the insurants. The public are hereby cautioned against dealing with the original policies :—

Sl. Policy No. & Date No.	Name of Insurant	Amount (Rs.)
1. 314351-P	Shri Lal Singh	Rs. 8,000

JYOTSNA DIESH
Director (PLI)

OFFICE OF THE CENTRAL PROVIDENT FUND
COMMISSIONER

New Delhi-110001, the 1st August 1989

No. P.IV/1(12)/85/Pt.—In exercise of the powers conferred by sub-section 7(a) of section 5(D) of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Board of Trustees, Employees' Provident Fund hereby makes the following rules to amend the Employees' Provident Fund Organisation Hindi Translator (Gr. II) Recruitment Rules, 1983 namely :—

1. (1) These Rules may be called the Employees' Provident Fund Organisation Hindi Translator (Gr. II) Recruitment (Amendment) Rules, 1989.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Employees' Provident Fund Organisation Hindi Translator (Gr. II) Recruitment Rules, 1983, the existing entries relating to age relaxation as appearing below column 7 of the Schedule shall be substituted as follows;

- (i) ("Relaxable upto 40 years in the case of General Candidates and 45 years in the case of Schedule I Caste/Scheduled Tribe Candidates who are employees of Employees' Provident Fund Organisation".)
- (ii) ("Relaxable upto 35 years for Government servants employees of Public Sector Undertakings, Autonomous Bodies and Corporations".)

Foot Note :

Original rules published in part-III, Section-4 of the Gazette of India dated 25th June, 1983 vide Notification No. P.III/Admn. R. II 14(3)/79 dated 9-6-1983.

No. P. IV/1(12)/85/Pt.—In exercise of the powers conferred by sub-section 7(a) of section 5(D) of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Board of Trustees, Employees' Provident Fund hereby makes the following rules to amend

the Employees' Provident Fund Organisation Stenographers Recruitment Rules, 1986 namely :—

1. (1) These Rules may be called the Employees' Provident Fund Organisation Stenographers Recruitment (Amendment) Rules, 1989.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the Employees' Provident Fund Organisation Stenographers Recruitment Rules, 1986 the existing entries relating to age relaxation as appearing below column 7 of each Schedule of Stenographers (Gr. II) & (Gr. III) shall be substituted as follows :—
"Relaxable upto 35 years for Government Servants and 40 years in the case of General Candidates and 45 years in the case of Scheduled Caste/Scheduled Tribe Candidates who are employees under the Employees' Provident Fund Organisation".

Foot Note :

Original rules published in Part-III, Section-4 of the Gazette of India dated 26-7-1986 vide Notification No. P. IV/2(4)/83/RR/dated 15-7-1986.

No. P. IV/1(12)/85/Pt.—In exercise of the powers conferred by sub-section 7(a) of section 5(D) of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Board of Trustees, Employees' Provident Fund hereby makes the following regulations to amend the Employees' Provident Fund Organisation Jr. Librarian & Library Attendant Recruitment Regulations 1985 namely :—

1. (1) These Regulations may be called the Employees' Provident Fund Organisation Jr. Librarian & Library Attendant Recruitment (Amendment) Regulations, 1989.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Employees' Provident Fund Organisation Jr. Librarian & Library Attendant Recruitment Regulations 1985, the existing entries relating to age relaxation as appearing below column 7 of each Schedule of Jr. Librarian & Library Attendant shall be substituted as follows :—

"Relaxable upto 35 years for Government Servants and 40 years in the case of General Candidates and 45 years in the case of Scheduled Caste/Scheduled Tribe Candidates who are employees under the Employees' Provident Fund Organisation".

Foot Note :

Original Regulations published in the Gazette of India, Part-III, Section-4 dated 4-5-1985, Notification No. P. III/2(3)/83/RR/P. IV dated 16-4-1985.

No. P. IV/1(12)/85/Pt.—In exercise of the powers conferred by sub-section 7(a) of section 5(D) of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Board of Trustees, Employees' Provident Fund hereby makes the following Regulations to amend the Employees' Provident Fund Organisation Electrician (Wireman) Recruitment Regulations 1986, namely :—

1. (1) These Regulations may be called the Employees' Provident Fund Organisation Electrician (Wireman) Recruitment (Amendment) Regulations, 1989.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the Employees' Provident Fund Organisation Electrician (Wireman) Recruitment Regulations, 1986, the existing

entries relating to age relaxation as appearing below 6 of the Schedule shall be substituted as follows :—

“(Relaxable upto 35 years for Government Servants and 40 years in the case of General Candidates and 45 years in the case of Scheduled Caste/Scheduled Tribe Candidates who are employees under the Employees' Provident Fund Organisation)”—.

Foot Note :

Original Regulations published in the Gazette of India, Part-III, Section-4 dated 22-2-86 vide Notification No. P. IV/2 (3)/Electrician/84/dated 7-2-1986.

No. P. IV/1(12)/85, Pt.—In exercise of the powers conferred by sub-section 7(a) of section 5(D) of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Board of Trustees, Employees' Provident Fund hereby makes the following rules to amend the Employees Provident Fund Organisation Plumber and Pump Operator Recruitment Rules, 1986, namely :—

1. (1) These Rules may be called the Employees' Provident Fund Organisation Plumber and Pump Operator Recruitment (Amendment) Rules, 1989.
2. (2) They shall come into force on the date of their Publication in the Official Gazette.

In the Employees' Provident Fund Organisation Plumber and Pump Operator Recruitment Rules, 1986, the existing entries relating to age relaxation as appearing below column 6 of the Schedule shall be substituted as follows :—

“(Relaxable for the employees of the Employees' Provident Fund Organisation upto 40 years in the case of General Candidates and 45 years in the case of Scheduled Caste/Scheduled Tribe Candidates)”—.

Foot Note :

Original Rules published in the Gazette of India, Part-II, Section-4, dated 26-7-86 vide Notification No. P. IV/1 (4)/84/RR dated 11-7-86.

No. P. IV/1(12)/85/Pt.—In exercise of the powers conferred by sub-section 7(a) of section 5(D) of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Board of Trustees, Employees' Provident Fund hereby makes the following Regulations to amend the Employees' Provident Fund Organisation *Staff Car Driver/Jeep Driver and Despatch Rider/Scooter Driver* Recruitment Regulations, 1986, namely :—

1. (1) These Regulations may be called the Employees' Provident Fund Organisation *Staff Car Driver/Jeep Driver and Despatch Rider/Scooter Driver* Recruitment (Amendment) Regulations, 1989.
2. (2) They shall come into force on the date of their Publication in the Official Gazette.

2. In the Employees' Provident Fund Organisation *Staff Car Driver/Jeep Driver and Despatch Rider/Scooter Driver*, Recruitment Regulations 1986, the existing entries relating to age relaxation as appearing below column 7 of each Schedule of *Staff Car Driver/Jeep Driver and Despatch Rider/Scooter Driver* shall be substituted as follows :—

“(Relaxable upto 35 years for Government Servants and 40 years in the case of General Candidates and 45 years in the case of Scheduled Caste/Scheduled Tribe Candidates who are employees under the Employees' Provident Fund Organisation)”—.

Foot Note :

Original Rules published in the Gazette of India, Part-III, Section 4, dated 21-6-86 vide Notification No. P. IV/2(1)/84/RR/SCD dated 6-6-86.

No. P. IV/1(12)/85/Pt.—In exercise of the powers conferred by sub-section 7(a) of section 5(D) of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Board of Trustees, Employees' Provident Fund hereby makes the following Regulations to amend the Employees' Provident Fund Organisation *Plumber* Recruitment Regulations 1986, namely :—

1. (1) These Regulations may be called the Employees' Provident Fund Organisation *Plumber* Recruitment (Amendment) Regulations, 1989.
2. (2) They shall come into force on the date of their Publication in the Official Gazette.
3. In the Employees' Provident Fund Organisation *Plumber* Recruitment Regulations, 1986 the existing entries relating to age relaxation as appearing below column 7 of the Schedule shall be substituted as follows ;

“(Relaxable for the employees of the Employees' Provident Fund Organisation upto 40 years in the case of General Candidates and 45 years in the case of Scheduled Caste/Scheduled Tribe Candidates)”—.

B. N. SOM
Central Provident Fund Commissioner
And
Secretary, Central Board of Trustees,
Employees' Provident Fund

Foot Note :

Original Regulations published in the Gazette of India, Part-III, Section-4 dated 31-1-87 vide Notification No. P. IV/1 (3)/86 dated 16-1-87.

INDUSTRIAL FINANCE CORPORATION OF INDIA
NEW DELHI

Errata in respect of the Industrial Finance Corporation of India Employees' Provident Fund Regulations, 1948 published in the Gazette of India, Part III, Section 4 dated the 22nd April, 1989 from pages 491 to 500 vide Notification No. 4/89 dated 7th April, 1989

Sl. No.	Page No.	Column & Line No.	For	Read
1	2	3	4	5
1.	491	Regulation 3, Column 2, 4th line	the Chairman of	the Chairman or
2.	492	Regulation 8, Column 1, 1st line Column 2, 1st line	same the this subscriber	Save the subscriber
3.	493	Column 1, Regulation 11(2)(b) Second line	draws his pay	draws his pay
4.	„	Column 2	Regulatioon 13	these words be deleted
5.	494	Column 1, Regulation 14(1), Second Proviso, 12th line	from the standing	from the signs standing
6.	„	Column 1, Regulation 14(1)(b) Second line	interest if the	interest, if the
7.	„	Regulation 14(1) Note (1), last line	to replaced	be replaced
8.	„	Column 2, Regulation 14(2)(b) (iii), 1st line.	such purphase	such purchase
9.	495	Column 1, Regulation 14(2) (9), Second line	with three months	within three months
10.	496	Column 1, Regulation 14-C (2)(a), sixth line	Manager/Deputy General Manager/	Manager (Estt. & Accounts) in all cases and advances from the Fund above these limits may be sanctioned by the General Manager/Deputy General Manager/
11.	497	Column 1, Regulation 16 Regulation 16(b), first line Regulation 16(b) eighth line	On the dath of a member or other han a	on the death of a member or members of other than a
12.	499	I.F.C.P.F. 4, Second heading of the form	Relationship with nomine	Relationship with subscriber
13.	500	I.F.C.P.F. 6	my pay may be every month	my pay may be deducted every month

CANTONMENT BOARD, BARRACKPORE CANTONMENT

Barrackpore, the 21st July 1989

No. S.R.O.F/II/24.—Whereas certain bye-laws further to amend the Bye-laws for Regulating the Control of Vehicles plying for hire and grant of licence to proprietors or drivers of such vehicles in the Cantonment of Barrackpore, published with the notification of the Government of India in the Ministry of Defence No. S.R.O. 3 dated 20th December, 1956, were published as required by Section 284 of the Cantonment Act, 1924 (2 of 1924), under the Cantonment Board's Notice No. E/II/24/114 dated the 09 November, 1988 for inviting objection and suggestions from all persons likely to be affected thereby till 08 December, 1988.

And whereas, no objection or suggestions were received;

And whereas the Central Government have duly approved and confirmed the said draft to amend the Bye-laws as required by sub-section (1) of the section 284 of the said Act.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the clause (25) and (26) of Section 282 and section 283 of the Cantonment Act, 1924 (2 of 1924), the Cantonment Board of Barrackpore hereby makes the following Bye-laws further amend the Bye-laws for Regulating the Control of Vehicles plying for hire and grant of licence to proprietors or drivers of such vehicles in the Cantonment of Barrackpore namely :—

1. (1) These bye-laws may be called the Bye-Laws for Regulating the Control of Vehicles (Amendment) Bye-laws, 1989.
(2) They shall come into force on the date of the publication in the Official Gazette.
2. (1) In the Bye-laws for Regulating the Control of Vehicles, in bye-laws 6, for clause (iii), the following clause shall be substituted namely :—
(iii) For a vehicles of the 4th class, described in bye-laws 4 (d) rupees ten per half year and one thereof."

(ii) for bye-law 21, the following bye-law shall be substituted namely :—

"21. The fee payable for driver's licence of any class of vehicles described in bye-law 4 shall be rupee two per half year and part thereof."

(File No. 362590/BKP/LC-3/CANIT/HC/DE).

PRACHUR GOEL
Cantonment Executive Officer
Barrackpore Cantonment

NATIONAL HOUSING BANK

(Wholly owned by Reserve Bank of India)

Bombay-400 023, the 26th June 1989

No. NHB.HFC.DIR.1/CMD-89.—The National Housing Bank, as the principal agency, having considered it necessary in the public interest to give the directions mentioned below, hereby, in exercise of the powers conferred by Sections 30 and 31 of the National Housing Bank Act, 1987 (53 of 1987) and of all the powers enabling it in this behalf, gives to every housing finance company, the directions hereinafter specified.

PART I—PRELIMINARY

1. Short title and commencement of the directions

These directions shall be known as the Housing Finance Companies (NHB) Directions, 1989. They shall come into force with effect from the 26th June, 1989 and any reference in these directions to the date of commencement thereof shall be deemed to be a reference to that date.

2. Definitions

(1) In these directions, unless the context otherwise requires,

- (a) "company" means a company as defined in Section 45 I (a) of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934) but does not include a company which is being wound up under any law for the time being in force;
- (b) "banking company" means a banking company as defined in Section 5(c) of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949);
- (c) "housing finance company" means any institution as defined in Section 2(d) of the National Housing Bank Act, 1987 (53 of 1987) but does not include a firm or an unincorporated association of individuals;
- (d) "deposit" shall have the same meaning as assigned to it in Section 45 I (bb) of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934);
- (e) "depositor" means any person who has made a deposit with the housing finance company;
- (f) "free reserves" shall include the balance in the share premium account, capital and debenture redemption reserves and any other reserve shown or published in the balance sheet of a company and created through an allocation of profits, not being (i) a reserve created for repayment of any future liability or for depreciation in assets or for bad debt or (ii) a reserve created by revaluation of the assets of the company;
- (g) "securities" means shares, stock, bonds, debentures, debenture stock or securities issued by Government or by a local authority or other marketable securities of a like nature;
- (h) words or expressions used but not defined herein and defined in the National Housing Bank Act, 1987 (53 of 1987) shall have the same meaning as assigned to them in that Act. Any other words or expressions not defined herein or in the National Housing Bank Act, 1987 (53 of 1987) shall have

the same meaning as assigned to them in the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934), Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949) and the Companies Act, 1956 (1 of 1956).

- (2) (a) If any question arises as to whether a company is a financial institution or not, such question shall be decided by the National Housing Bank in consultation with the Central Government.
- (b) If any question arises as to whether a company is a housing finance company, the same shall be decided by the National Housing Bank having regard to the business primarily transacted by the company and other relevant factors.

3. Non-applicability of the directions to certain types of deposits of money—

Nothing contained in paragraphs 4 to 11 and 16 of these directions shall apply to the following types of deposits received by a housing finance company :

- (i) any money received from the Central Government or a State Government or any money received from any other source and the repayment of which is guaranteed by the Central Government or State Government or any money received from a local authority or a foreign Government or any other authority;
- (ii) any money received from a banking company or from the State Bank of India or from a banking institution notified by the Central Government under Section 51 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949) or a corresponding new bank as defined in Section 3 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 (5 of 1970) or as defined in Section 3 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1980 (40 of 1980) or from a regional rural bank set up under the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976) or from a co-operative bank as defined in clause (b)(ii) of Section 2 of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934);
- (iii) any loan received from the National Housing Bank established under the National Housing Bank Act, 1987 (53 of 1987) or the Industrial Development Bank of India established under the Industrial Development Bank of India Act, 1964 (18 of 1964) or the Industrial Credit & Investment Corporation of India Ltd. established under the Indian Companies Act, 1913 (7 of 1913) or the Industrial Finance Corporation of India established under the Industrial Finance Corporation Act, 1948 (15 of 1948) or the Industrial Reconstruction Bank of India established under the Industrial Reconstruction Bank of India Act, 1984 (62 of 1984) or the Life Insurance Corporation of India established under the Life Insurance Corporation Act, 1956 (31 of 1956) or the Unit Trust of India established under the Unit Trust of India Act, 1963 (52 of 1963) or the General Insurance Corporation of India and its subsidiaries set up under the Insurance Act, 1938 (4 of 1938) read with the General Insurance Business (Nationalisation) Act, 1972 (57 of 1972) or any other financial institution wholly owned by the Central Government or a State Government or any other financial institution that may be notified by the National Housing Bank in this behalf;
- (iv) any money received from any other company not being a company incorporated outside India;
- (v) any money received from a person, who at the time of receipt of the money was or is a director of the company or any money received from its shareholders by a private company, including a private company deemed to be a public company by virtue of the provisions of Section 43A of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);

Provided that, in the case of any money received on or after the commencement of these directions, the person from

whom the money is received has furnished to the company at the time when the money is received, a declaration in writing that the money has not been given by him out of funds acquired by him by borrowing or accepting deposits from another person;

- (vi) any money received from an employee of the company by way of security deposit;
- (vii) any money received by way of security or as an advance from any purchasing agent, selling agent or other agent in the course of or for the purpose of the business of the company or any advance received against orders for the supply of goods or properties or for the rendering of any service;
- (viii) any money raised by the issue of debentures or bonds secured by the mortgage of immovable properties of the company or any part thereof, or any money raised by the issue of debentures or bonds with the option to convert such debentures or bonds into equity share capital;

Provided that, in the case of debentures or bonds secured by the mortgage of immovable properties, the amount of such debentures or bonds shall not exceed the market value of such immovable properties;

- (ix) any money received by way of subscription to any shares or stock pending the allotment of such shares or stock or any money received by way of subscription to debentures or bonds of the type specified in clause (viii) of this paragraph pending the allotment of such debentures or bonds and any money received by way of calls in advance on shares in accordance with the company's articles of association so long as such money is not repayable to the shareholders under the articles of association of the company;

- (x) any money received in trust or any money in transit.

PART II—ACCEPTANCE OF DEPOSITS

4. Acceptance of Deposits

(1) Period of deposits

On and from the 26th June, 1989 no housing finance company shall accept or renew any deposit whether accepted before or after the 26th June, 1989

- (a) which is repayable on demand or on notice; or
- (b) unless such deposit is repayable after a period of more than twenty four months but not later than eighty four months from the date of acceptance or renewal of such deposit.

Provided that the deposits accepted by a housing finance company before 26th June, 1989 shall, unless renewed in accordance with these directions, be repaid in accordance with the terms of such deposits.

Provided further that nothing contained in this sub-paragraph shall apply in respect of monies raised by the issue of debentures or bonds.

Explanation :

Where a deposit is received in instalments, the period of deposit shall be computed from the date of receipt of the first instalment.

- (2) Restriction on acceptance or renewal of deposits in excess of ceiling as stipulated and regularisation of deposits accepted earlier and held in excess of the ceilings.

On and from the 26th June, 1989 on housing finance company shall have deposits, the aggregate amount of which

together with the amounts, if any, held by it which are referred to in clauses (ii), (iii) and (viii) to paragraph 3, is in excess of the limits specified below:—

Housing Finance Company with net owned funds	Borrowings as above as a multiple of the net owned funds.
(a) Upto Rs. 10 crores	10 times
(b) Above Rs. 10 crores but below Rs. 20 crores	12.5 times
(c) Above Rs. 20 crores	15 times

Provided that any loan obtained by a housing finance company from the National Housing Bank shall be excluded for the purposes of this clause.

Where a housing finance company holds, as on 26th June, 1989, deposits in excess of the limits specified above, it shall ensure that such excess is, before 1st April 1990, reduced by repayment of deposits or in any other manner as may be necessary for compliance with this provision.

Explanation :

For the purpose of this paragraph, "net owned funds" shall mean the aggregate of the paid up capital and free reserves as appearing in the latest audited balance sheet of the company as reduced by the amount of accumulated balance of loss, deferred revenue expenditure and other intangible assets, if any, as disclosed in the said balance sheet.

5. Particulars to be specified in application form soliciting deposits

On and from the 26th June, 1989, no housing finance company shall accept, renew or convert any deposit except on a written application from the depositor in the form to be supplied by the housing finance company, which form shall contain all the particulars specified in the Non-Banking Financial Companies and Miscellaneous Non-Banking Companies (Advertisement) Rules, 1977 made under Section 58A of the Companies Act, 1956 (1 of 1956).

6. Furnishing of receipts to deposits

- (1) Every housing finance company shall furnish to every depositor or his agent, unless, it has done so already, a receipt for every amount which has been or which may be received by the housing finance company by way of deposit before or after the date of commencement of these directions.

- (2) The said receipt shall be duly signed by an officer entitled to act for the housing finance company in his behalf and shall state the date of deposit, the name of the depositor, the amount in words and figures received by the housing finance company by way of deposit, rate of interest payable thereon and the date on which the deposit is repayable.

7. Register of deposits

- (1) Every housing finance company shall keep one or more registers in which shall be entered separately in the case of each depositor the following particulars, namely,

- (a) name and address of the depositor,
- (b) date and amount of each deposit,
- (c) duration and the due date of each deposit,
- (d) date and amount of accrued interest or premium on each deposit,
- (e) date and amount of each repayment, whether of principal, interest or premium, and
- (f) any other particulars relating to the deposit.

(2) The register or registers aforesaid shall be kept at the registered office of the housing finance company and shall be preserved in good order for a period of not less than ten years following the financial year in which the latest entry is made of the repayment or renewal of any deposit of which particulars are contained in the register :

Provided that, if the housing finance company keeps the books of account referred to in sub-section (1) of Section 209 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) at any place other than its registered office in accordance with the proviso to that sub-section, it shall be sufficient compliance with this sub-paragraph if the register aforesaid is kept at such other place, subject to the condition that the housing finance company delivers to the National Housing Bank a copy of the notice filed with the Registrar under the proviso to the said sub-section within seven days of such filing.

8. Information to be included in the Board's report

(1) In every report of the Board of Directors laid before the housing finance company in a general meeting under sub-section (1) of Section 217 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) after the date of commencement of these directions here shall be included, the following particulars or information, namely :

- (a) the total number of depositors of the housing finance company whose deposits have not been claimed by the depositors or paid by the housing finance company after the date on which the deposit became due for repayment or renewal, as the case may be, according to the contract with the depositor or the provisions of these directions, whichever may be applicable, and
- (b) the total amounts due to the depositors and remaining unclaimed or unpaid beyond the dates referred to in clause (a) as aforesaid.

(2) The said particulars or information shall be furnished with reference to the position as on the last date of the financial year to which the report relates and if the amounts remaining unclaimed or undisbursed as referred to in clause (b) of the preceding sub-paragraph exceed in the aggregate the sum of rupees five lakhs, there shall also be included in the report a statement on the steps taken or proposed to be taken by the Board of Directors for the repayment of the amounts due to the depositors and remaining unclaimed or undisbursed.

9. Ceiling on the rate of interest and brokerage

On and from the 26th June, 1989, no housing finance company shall :—

- (a) invite or accept or renew any deposit on a rate of interest exceeding fourteen per cent per annum;
- (b) pay to any broker for deposits collected by or through him, brokerage, commission, incentive or any other benefit by whatever name called, in excess of two per cent (not per annum) or such deposit.

10. General provision regarding repayment of deposits

Where a housing finance company makes repayment of a deposit after the expiry of a period of more than twenty four months from the date of such deposit but before the expiry of the period for which such deposit was accepted by the housing finance company, the rate of interest payable by the housing finance company on such deposit shall be reduced by one per cent from the rate which the housing finance company would have ordinarily paid had the deposit been accepted for the period for which such deposit had run and the housing finance company shall not pay interest at any rate higher than the rate as so reduced.

Provided that, nothing contained in this paragraph shall apply to the repayment of any deposit before the expiry of the period for which such deposit was accepted by the housing finance company if such repayment is made solely for the purpose of complying with the provisions of these directions,

Explanation :

For the purpose of this paragraph, where the period for which the deposit had run contains any part of the year then, if such part is less than six months it shall be excluded and if such part is six months or more, it shall be reckoned as one year.

PART III—SPECIAL PROVISIONS

11. Maintenance of a minimum percentage of liquid assets

Every housing finance company shall maintain in India (a) in an account with a scheduled bank (free from any charge or lien) or (b) in unencumbered approved securities (such securities being valued at their market value for the time being) or partly in such an account or partly in such securities a sum which shall not at the close of business on any day be less than ten per cent of the deposits outstanding in the books of the housing finance company on that day.

Explanation :

For the purpose of this paragraph :

- (a) "approved securities" means securities in which the trustee is authorised to invest trust money under clause (a), clause (b), clause (bb), clause (c), clause (d) or clause (cc) of Section 20 of the Indian Trust Act, 1882 (2 of 1882);
- (b) "unencumbered approved securities" shall include the approved securities lodged by the housing finance company with another institution for an advance or any other credit arrangement to the extent to which such securities have not been drawn against or availed of;
- (c) balance in deposit accounts to the extent to which such deposit have not been drawn against shall be treated as liquid assets and taken into account.

PART IV—MISCELLANEOUS

12. Copies of balance sheet and accounts together with the Directors' report to be furnished to the National Housing Bank

Every housing finance company shall deliver to the National Housing Bank an audited balance sheet as on the last date of each financial year and audited profit and loss account in respect of that year as passed by the housing finance company in general meeting together with a copy of the report of the Board of Directors laid before the housing finance company in such meeting in terms of Section 217 (1) of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) within 15 days of such meeting.

13. Auditors and provision for submitting Auditor's certificate

Every housing finance company shall furnish to the National Housing Bank, along with the copy of the audited balance sheet as provided under paragraph 12, a certificate from its Auditors, being members of the Institute of Chartered Accountants, to the effect that the full liabilities to the depositors of the company, including interest payable thereon, are properly reflected in the balance sheet and that the company is in a position to meet the amount of such liabilities to the depositors.

14. Returns to be submitted to the National Housing Bank

1 (i) Without prejudice to the provisions of paragraph 12, every housing finance company shall submit to the National Housing Bank a return furnishing the information specified in the Schedule hereto, with reference to its position as on the date specified in the said Schedule.

(ii) A copy of the return shall also be simultaneously furnished to the Reserve Bank of India.

2 (i) Every housing finance company shall, not later than one month from the coming into force of these directions or from the commencement of business, whichever is later, deliver to the National Housing Bank, a written statement containing a list of—

(a) the names and the official designations of its principal officers;

- (b) the names and residential addresses of the directors of the housing finance company; and
- (c) the specimen signatures of the officers authorised to sign on behalf of the housing finance company, returns specified in sub-paragraph (1).
- (ii) Any change in the list referred to in clause (i) of this sub-paragraph shall be intimated to the National Housing Bank within one month from the occurrence of such change.

15. Balance Sheet, returns etc. to be submitted to the office of National Housing Bank at Bombay.

Any balance sheets, returns or information required to be submitted or furnished to the National Housing Bank in pursuance of these directions shall be submitted or furnished to the office of National Housing Bank at Bombay.

16. Statement in lieu of Advertisement

- (1) Where a housing finance company intends to accept deposits, without inviting or allowing or causing any other person to invite such deposits, it shall, before accepting deposits, deliver to the office of National Housing Bank at Bombay for registration, a statement in lieu of advertisement containing all the particulars required to be included in the advertisement pursuant to the Non-Banking Financial Companies and Miscellaneous Non-Banking Companies (Advertisement) Rules, 1977.
- (2) A statement delivered under sub-paragraph (1) shall be valid till the expiry of six months from the date of closure of the financial year in which it is so delivered, or until the date on which the balance sheet is laid before the housing finance company in general meeting, or where the annual general meeting for any year has not been held, the latest day on which

that meeting should have been held in accordance with the provisions of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), whichever is earlier, and a fresh statement shall be delivered in each succeeding financial year before accepting deposits in that financial year.

17. Exemptions

The National Housing Bank may, if it considers it necessary for avoiding any hardship or for any other just and sufficient reason, grant extensions of time to comply with or exempt any housing finance company or class of housing finance companies, from all or any of the provisions of these directions either generally or for any specified period subject to such conditions as the National Housing Bank may impose.

18. Saving of action taken or that may be taken for contravention of the Non-Banking Financial Companies (Reserve Bank) Directions, 1966 and 1977

It is hereby clarified that the supersessions of the Non-Banking Financial Companies (Reserve Bank) Directions, 1966 and the Non-Banking Financial Companies (Reserve Bank) Directions, 1977 as amended from time to time, shall not in any way affect :

- (i) any right, obligation or liability acquired, accrued or incurred thereunder;
- (ii) any penalty, forfeiture, or punishment incurred in respect of any contravention committed thereunder;
- (iii) any investigation, legal proceeding or remedy in respect of any such right, privilege, obligation, liability, penalty, forfeiture or punishment as aforesaid.

and any such investigation, legal proceeding or remedy may be instituted, continued, or enforced and any such penalty, forfeiture or punishment may be imposed as if those directions had not been superseded.

K. S. SASTRY,
Chairman

**NATIONAL HOUSING BANK
BOMBAY
SCHEDULE HFC. DIR-1**

Dated the 26th June, 1989

(Please see paragraph 14 of the Notification No. NHB. HFC. DIR-1/CMD-89 dated the 26th June, 1989)
(To be filled in by all housing finance companies)

Return as on the 31st March 1989

(Please see Instruction No. 1 on Page 3)

1. Name of the Company : Company Code@

2. Full address of the
(i) Registered Office :
.....
.....

PIN Code

Phone No

(ii) Head Administrative Office
.....

PIN Code
Phone No.

3. Whether a Government Company + ? Yes No

4. State/Union Territory in which the company is registered
Code@ name (description)

5. Status + (i) Public Ltd.,

(ii) Private Ltd.

(iii) Branch of a foreign company

D D M M Y Y Y Y

6. Date of (i) Incorporation

D D M M Y Y Y Y

(ii) Commencement of business

D D M M Y Y Y Y

(iii) Financial year of company

7. Nature of business Code@

8. No. of branches/offices £

9. Total number of employees ££

10. Whether a holding company or a subsidiary \$

11. Name(s) of the company's auditors and address(es)

12. Name(s) of the company's bankers and address (es)

@To be assigned by NHB.

*If it is a place other than the Registered Office.

†Tick the box which is applicable.

£A list showing the names and addresses of the places where the branches/offices of the company are situated should be enclosed.

££Includes persons working on full time, part time as well as on honorary basis.

\$If it is a subsidiary, the name of the holding company may be indicated.

INSTRUCTIONS FOR FILLING AND SUBMISSION OF THE RETURN

1. The Return, after compilation, should be submitted by a housing finance company covered by Notification No. NHB. HFC. DIR-1/CMD-89 dated the 26th June 1989 once a year before the 30th June with reference to its position as on the 31st March irrespective of the date of closing of the financial year of the company concerned to the office of the National Housing Bank at Bombay as specified in paragraph 14 of the aforesaid Notification. *A copy of the Return shall be forwarded to the Joint Chief Officer, Department of Financial Companies, Central Office Cell, Reserve Bank of India, Bombay.*

2. The submission of the Return should not be delayed for any reason such as the finalisation/completion of the audit of the annual accounts. The compilation of the Return should be on the basis of the figures available in the books of accounts of the company.

3. The number of accounts should be given in actual figures while the amounts of deposits should be given in thousands of rupees. Amount should be rounded off to the nearest thousand. For example, an amount of Rs. 4,560 should be shown as 5 and not as 4.6 or 5000. Similarly an amount of Rs. 61,495 is to be shown as 61 not as 61.4 or 61000.

4. The period-wise classification of deposits should be made against the various heads under item No. 7 of Part I of the Return according to the periods for which they have been originally received last renewed and not according to the periods they have to run as from the 31st March i.e. the date of the Return.

5. "Free reserves" mentioned under item 1 of Part 3 shall include the balance in the share premium account, capital and

debenture redemption reserves and any other reserve shown or published in the balance sheet and created through an allocation of profits, but not being:—

- (i) a reserve created for repayment of any future liability or for depreciation in assets or for bad debts or
- (ii) a reserve created by revaluation of the assets of the company.

6. A list containing the names and the designations of the principal officers as also the names and addresses of the directors of the company should be attached in case it has not so far been sent to the National Housing Bank as required by paragraph 14 of the Notification No. NHB. HFC. DIR-1/CMD-89 dated the 26th June 1989 and any change in the list should also be intimated to the office of the National Housing Bank to which this Return is submitted.

7. The Return should be signed by the Manager (as defined in Section 2 of the Companies Act, 1956) and if there is no such Manager, by the Managing Director or any official of the company who has been duly authorised by the Board of Directors and whose specimen signature has been furnished to the National Housing Bank for the purpose. In case the specimen signature has not been furnished in the prescribed Card, the Return may be signed by the authorised official and his specimen signature furnished separately.

8. In case there is nothing to report in any part of the Return, it should be marked 'Nil' and the Manager's/Managing Director's/Authorised official's Certificate appended to the Return should be duly signed.

PART—1

Particulars of deposits outstanding as on the 31st March, 19

(Amounts in thousands of rupees)

Item No.	PARTICULARS	Item Code	Number of accounts		
			3	4	5
1	2				
1.	Unsecured debentures (other than convertible or secured debentures vide note (1) below).		111		
2.	Deposits received by a public company from its share-holders (vide note (2) below).		112		
3.	Deposits guaranteed by directors in their personal capacity		113		
4.	Total (1+2+3)		110		
5.	Any other deposits (vide note (3) below).		120		
6.	Total (4+5)		130		
7.	Of the item total deposits at item 6 above, those				
	(i) Repayable on demand or on notice or otherwise in less than 6 months*.		141		

1	2	3	4
(ii) For a period of 6 months or more but less than 12 months.*		142	
(iii) For a period of 12 months or more but less than 24 months*		143	
(iv) For a period of 24 months or more but less than 48 months		144	
(v) For a period of 48 months or more but less than 60 months		145	
(vi) For a period of 60 months		146	
(vii) For a period of more than 60 months but less than 84 months		147	
(viii) For a period of 84 months		148	
(ix) For a period of more than 84 months*		149	
8. Total [7 (i) to (ix) should tally with item 6 above]		140	
9. Of the total deposits at item 6 above, those of free of interest and bearing interest (excluding brokerage, if any)£ (Rate of interest : per cent per annum)			
(i) Free of interest*		151	
(ii) Below 6%		152	
(iii) 6% or more but less than 9%		153	
(iv) 9% or more but less than 11%		154	
(v) 11% or more but less than 13%		155	
(vi) 13% or more but less than 14%		156	
(vii) At 14%		157	
(viii) More than 14%*		158	
10. Total [9 (i) to (viii) should tally with item 6 above]		150	
11. Break-up of deposits at item 6 above according to the size of deposits (see also note 4 below)			
(i) Upto Rs. 5,000		161	
(ii) Rs. 5,001 to Rs. 10,000		162	
(iii) Rs. 10,001 to Rs. 25,000		163	
(iv) Rs. 25,001 to Rs. 50,000		164	
(v) Rs. 50,001 to Rs. 1,00,000		165	
(vi) Over Rs. 1,00,000*		166	
Total		160	

1	2	3	4	5
12.	Of the total deposits at item 6 above (see also note 5 below)			
	(i) those which have matured but not claimed	171		
	(ii) those which have matured and claimed but not paid	172		
13.	Of the deposits of the type at item 4 above			
	(i) deposits accepted/renewed during the year	181		
	(ii) deposits repaid by payment or renewal during the year	182		
14.	Of the deposits of the type at item 5 above			
	(i) deposits of accepted/renewed during the year	191		
	(ii) deposits repaid by payment or renewed during the year	192		
15.	Of the total deposits at item 6 above, deposits received from non-resident Indians	193		

fA statement showing the rates of interest offered as also the rates of brokerage paid on different types of deposits according to their periods i.e. exceeding 24 months, 36 months etc. should also be submitted along with this part of the Return.

*Details should be furnished separately.

Note : (1) Re : item 1

The amount in respect of non-convertible portion of the debentures which are partly convertible and partly non-convertible, may be included under this item and the convertible portion may be shown against item 10 of Part—2.

(2) Re : item 2

If the company is a public company and a declaration as specified in note (1) of Part-2 has not been obtained from its directors, such deposits should be shown against this item.

(3) Re : item 5

If the company is a private company and a declaration as specified in Note (1) of Part—2 has not been obtained, such deposits should be shown against this item.

(4) Re : item 11

(i) Number of accounts and the amounts should be calculated in respect of each range of deposit.

(ii) The totals should tally with those shown at item No. 6 of Part—1 of the return.

(5) Re : item 12

If the aggregate amount of deposits not repaid exceeds Rs. 5 lakhs, the reasons for non-payment of each deposit and the steps taken for repayment should be indicated in an Annexure.

(6) The amounts shown in Part—2 should not be included in Part—1.

PART—2

Particulars of exempted borrowings, etc., not counting as deposits (vide paragraphs 3 and 4 of Notification No. NHB. HFC. DIR-I/CMD-89 dated the 26th June, 1989.

As on the 31st March 19
(Amounts in thousands of rupees)

Item No.	PARTICULARS	Item Code	Number of accounts	Amount
1	2	3	4	5
1.	Money received from the Central or State Government(s) or money received from others, the repayment of which is guaranteed by the Central or State Government(s) or money received from a local authority.			201

1	2	3	4	5
2. Money received from a foreign Government or any other authority (see also note 3 below).		202		
3. Borrowings from National Housing Bank.		203		
4. Borrowings from banks and other specified financial institutions.		204		
5. Money received from any other company.		205		
6. Money received from directors [vide note (1) below].		206		
7. Money received by a private company from the shareholders [vide notes (1) and (2) below].		207		
8. Money received from employees of the company by way of security deposit.		208		
9. Money Received by way of security or advance from purchasing, selling, or other agents in the course of company's business or advance received against orders for supply of goods or properties or for rendering of services.		209		
10. Money received by issue of debentures secured by mortgage of immovable properties or convertible debentures [see also item No. (1) of Part I].		210		
11. Money received by way of subscription to any shares or secured debentures pending allotment or money received by way of calls in advance on shares in accordance with the Articles of Association of the company so long as such amount is not repayable to the shareholders under the Articles of Association of the company.		211		
12. Money received in trust or money in transit.		212		
13. Total (1 to 12)*		200		

*The data against item code 200 should be obtained by adding the data for item codes 201 to 212.

Note : (1) Only money received from such persons on a declaration in writing that the money has not been given by such person(s) out of funds acquired by him/them by borrowing or accepting deposits from another person should be shown against these items. Otherwise, it should be shown against item Nos. 2 or 5 of Part I as the case may be, as indicated in Notes (2) and (3) of Part I.

(2) Money received from the shareholders of a private company deemed as a public company under Section 43A of the Companies Act, 1956, should also be included under this item subject to the obtaining of declaration referred to in note (1) above.

(3) Break-up of figures reported against item 2 may be given as under:

(Amounts in thousands of rupees)

Foreign agency	Item Code	Number of accounts	Amount
(a) Foreign Government	213		
(b) Foreign Authority	222		
(c) Non-resident Indians	223		

PART—3

Statement showing the “net owned funds”

Item No.	PARTICULARS	Item Code	Amounts (in thousands of rupees)
1	2	3	4
1.	Net owned funds (figures to be furnished as per the last audited balance sheet preceding the date of the return-Balance sheet as on.....)		
(i)	Paid-up Capital	311	
(ii)	Free Reserves*	312	
	Total (i+ii)	310	
2.	(i) Accumulated balance of loss	321	
(ii)	Balance of deferred revenue expenditure	322	
(iii)	Other intangible assets (Please specify)	323	
	Total (i+ii+iii)	320	
3.	Net owned funds (1—2)	300	

*Please see item 5 of the instructions for filling in the Return.

PART—4

Statement showing outstanding loans and advances

As on the 31st March 19

Item No.	Name of the Party	Item Code	Amounts (in thousands of rupees)
1	2	3	4
1.	Companies in the same group (as defined in Section 372(11) of the Companies Act, 1956)		
(a)			
(b)			
(c)			
(d)			
etc.			
	(Please specify the names and amounts due from individual companies)		
	Total	410	
2.	Others		
(a)	Companies not in the same group	421	
(b)	Directors	422	
(c)	Shareholders	423	

1	2	3	7
(d) Chief Executive Officer and other employees		424	
(e) Purchasing, Selling and other Agents		425	
(f) Others		426	
Total		420	
3. Grand Total (1+2)		400	

Note : (1) Sundry debtors, tax paid in advance and other recoverable items not in the nature of loans and advances should not be shown in this statement.

(2) Fixed deposits with other companies should be included under item 1 or item 2(R) as the case may be, and not in Part 5.

PART — 4·1

Statement of loans and advances to 'Others' (426 of Part 4)

Category/Size (Rs.) of housing loan	Item Code	Disbursements				Amount repaid during the year	Amount out- standing as on March 31,—
		Total		of which to			
		No.	Amt.	No.	Amt.	No.	Amt.
1	2	3	4	5	6	7	8
9							10
For acquisition/construction of new houses							
Upto 20,000		451					
Above 20,000 and upto 50,000		452					
Above 50,000 and upto 1,00,000		453					
Above 1,00,000 and upto 3,00,000		454					
Sub-Total		450					
For upgradation including major repairs of houses							
Upto 20,000		461					
Above 20,000 and upto 30,000		462					
Above 30,000		463					
Sub-total		460					
Grand Total		470					
(450+460)							

PART — 5

Statement showing investments

As on the 31st March 19

Item No.	Particulars	Item code	Amounts (in thousand of rupees)
1	2	3	4
1. Shares and debentures of companies in the same group (as defined in Section 372 (11) of the Companies Act, 1956)			
(a)			

1	2	3	4
---	---	---	---

(b) _____
 (c) _____
 (d) _____
 etc.

(Please mention the names and amounts invested in individual companies)

Total	510
-------	-----

2. Shares and debentures of companies not in the same group.

(a) _____
 (b) _____
 (c) _____
 (d) _____
 etc.

(Please specify)

Total	520
-------	-----

3. Other investments (such as investments in Government and other Trustee securities, fixed deposits with banks and investments in units of the Unit Trust of India)

(a) _____
 (b) _____
 (c) _____
 (d) _____
 etc.

(please specify)

Total	530
-------	-----

4. Grand Total (1+2+3) 500

Note : Details of shares and debentures whether held in investment account or by way of stock-in-trade should be included in this part.

PART — 6

Particulars relating to deposits and liquid assets, i.e. items 1 and 2 below should contain the data as at the end of each month for a period of twelve months ending on the 31st March of the year, with reference to which the return is submitted.

(Amount in thousands of rupees)

Item	particulars	Previous year										Current year		
		April 601	May 602	June 603	July 604	Aug. 605	Sept. 606	Oct. 607	Nov. 608	Dec. 609	Jan. 610	Feb. 611	Mar. 612	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	

1. Deposits as shown against item

No. 6 of part 1

2. Liquid Assets

(a) Balance in Current or any other deposit account with scheduled banks free from any charge or lien.

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----

(b) Investments in unencumbered securities of the Central Government or in other unencumbered securities in which a Trustee is entitled to invest trust money

3. Ratio of 2 to 1

*Please see paragraph 11 of the Notification No. NHB. HFC. DIR-1/CMD-89 dated the 26th June, 1989.

Note : 1. The three digit number appearing below the month indicates the item code.

2. Reasons for default, if any, may be specified.

CERTIFICATE

*Manager's/Managing Director's/
Authorised Official's
Certificate :

- (1) Certified that declarations have been obtained in writing, as required in terms of the proviso to paragraph 3 (v) of the Notification No. NHB. HFC. DIR-1/CMD-89 dated the 26th June 1989 from the directors and/or shareholders that the money has not been given by them to the company out of the funds acquired by them by borrowing or accepting deposits from other persons.
- (2) Certified that deposits have been accepted, renewed or converted on and from the 26th June, 1989 in the manner prescribed in paragraph 4 of the Notification No. NHB.HFC.DIR-1/CMD-89 dated the 26th June, 1989.
- (3) Certified that the company has complied with the

requirements of paragraphs 5, 6, 9 & 10 of the Notification No. NHB.HFC.DIR-1/CMD-89 dated the 26th June, 1989.

- (4) Certified that the Registers of deposits are being maintained on the lines indicated in paragraph 7 of the Notification No. NHB.HFC.DIR-1/CMD-89 dated the 26th June, 1989.
- (5) Certified that the particulars/information furnished in the Return have been verified and found to be correct and complete in all respects.

(Strike off whichever certificate is not applicable).

Signature of *Manager/Managing
Director/Authorised Official :

Date :

Place :

Name :

Designation :

Enclosures to the Return :

The following documents should be submitted along with the Return in case they have not already been sent. Please tick in the box against the item for the document enclosed and state the date of submission in other cases.

- (1) A copy of the audited balance sheet and profit and loss account dated nearest to the date of this Return.
- (2) Specimen signature card (Please see instruction No. 7).
- (3) A copy of the application form referred to in paragraph 5 of the Notification No. NHB.HFC.DIR-1 / CMD-89 dated the 26th June 1989.
- (4) A list of principal officers and the names and addresses of directors (Please see instruction No. 6).

Strike off whichever is not applicable.

